दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K✌K RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-106 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) मंगलवार 02 जून 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

NEET-UG परीक्षा पर SC का बड़ा फैसला

ऑनलाइन एग्जाम कराने की याचिका खारिज; पुराने 'पेन-पेपर' मोड पर ही होगा री-टेस्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी (NEET-UG) को लेकर देशव्यापी विवाद और पेपर लीक के आरोपों के बीच देश की सर्वोच्च अदालत से एक बेहद महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। सुप्रीम कोर्ट ने इस साल होने वाली नीट-यूजी की री-टेस्ट (पुनः परीक्षा) को पूरी तरह ऑनलाइन यानी कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट (CBT) मोड में कराने की मांग वाली याचिका को सिरे से खारिज कर दिया है। अदालत के इस फैसले के बाद यह साफ हो गया है कि इस साल का री-टेस्ट अपने पुराने और पारंपरिक 'पेन-पेपर मोड' (ओएमआर शीट) के जरिए ही आयोजित किया जाएगा। हालांकि, ओएमआर शीट आधारित परीक्षा का यह ढर्रा हमेशा के लिए नहीं रहने वाला है। मामले की सुनवाई के दौरान नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) ने सुप्रीम कोर्ट में एक महत्वपूर्ण हलफनामा (Affidavit) दाखिल किया है। एनटीए ने कोर्ट को आश्वस्त किया है कि वह अगले साल से नीट-यूजी परीक्षा को पूरी तरह से डिजिटल और कंप्यूटर बेस्ड मॉडल (CBT) पर शिफ्ट करने की पूरी तैयारी कर रही है, ताकि भविष्य में होने वाली परीक्षाओं को पूरी तरह से सुरक्षित और पारदर्शी बनाया जा सके।

दिग्गजों ने लगाई थी गुहार, कहा था- पेपर लीक रोकने के लिए सिर्फ ऑनलाइन ही रास्ता

गौरतलब है कि इस साल नीट परीक्षा में बड़े पैमाने पर हुई कथित धांधलियों और पेपर लीक की घटनाओं को देखते हुए परीक्षा प्रणाली को तुरंत बदलने की मांग की गई थी। इसके लिए राष्ट्रीय जनता दल (RJD) के सांसद सुधाकर सिंह, सामाजिक कार्यकर्ता अनुभव गर्ग, इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (IMA) के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. ध्रुव चौहान और राजनीतिक नेता हरिशरण देवगन ने सुप्रीम कोर्ट में एक संयुक्त जनहित याचिका (Writ Petition) दायर की थी। याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि पेपर लीक जैसी गंभीर राष्ट्रव्यापी घटनाओं को रोकने के लिए तुरंत 'कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट' (CBT) फ्रेमवर्क लागू किया जाना बेहद जरूरी है, जिसे कोर्ट ने इस सत्र के लिए व्यावहारिक न मानते हुए नामंजूर कर दिया।

सड़क हादसे में मां-बेटी की मौतः खरगोन में बाइक से भिड़ी टेंपो ट्रैवलर, सगाई में जा रहे 17 लोग घायल

खरगोन (आरएनएस)। मध्यप्रदेश में रफ्तार का कहर थम नहीं रहा है। जेत रफ्तार वाहनों के अनियंत्रित होने से रोज रोज सड़क हादसे हो रहे हैं। सड़क हादसे में लोगों की असमय मौतें भी हो रही है। ताजा मामला खरगोन जिले का है जहां सड़क हादसे में मां-बेटी की दर्दनाक मौत हो गई और 17 लोग घायल है। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।दरअसल घटना खरगोन जिले के जैतापुर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह खंडवा-बड़ोदरा नेशनल हाईवे पर मगरिया गांव के पास की है। तेज रफ्तार टेंपो ट्रैवलर बाइक से टकराने के बाद अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में बाइक सवार मां-बेटी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि बाइक चालक सहित टेंपो ट्रैवलर में सवार 17 लोग घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें तीन की हालत गंभीर बनी हुई है। टेंपो ट्रैवलर में सवार लोग सगाई समारोह में शामिल होने पिपलोद जा रहे थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भारत की राजनीति में घुसने की साजिश रच रहा पाकिस्तान, सुरक्षा एजेंसियों का बड़ा खुलासा

श्रीनगर,(आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ लगातार सख्त होती कार्रवाई से बौखलाई पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई (Inter-Services Intelligence) अब एक नई रणनीति के तहत भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में घुसपैठ की कोशिश कर रही है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, आईएसआई ने अपने समर्थक नेटवर्क और ओवर ग्राउंड वर्कर्स (OGWs) को मुख्यधारा की राजनीतिक गतिविधियों में शामिल होकर काम जारी रखने के निर्देश दिए हैं, ताकि सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी से बचा जा सके और आतंकी तंत्र को नया आवरण प्रदान किया जा सके। सूत्रों के मुताबिक, हाल के महीनों में हुई कई गिरफ्तारियों और पूछताछ के दौरान ऐसे संकेत मिले हैं कि कुछ संदिग्ध तत्व राष्ट्रीय स्तर की राजनीतिक पार्टियों से जुड़े होने का दावा कर रहे थे। जांच एजेंसियां इस पहलू की गंभीरता से पड़ताल कर रही हैं। सुरक्षा अधिकारियों का मानना है कि आईएसआई का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर में जारी आतंकवादी गतिविधियों को सीमा पार से संचालित प्रॉक्सी वॉर के बजाय स्थानीय असंतोष का रूप देना है। इसके लिए ऐसे संगठनों को फिर से सक्रिय करने की कोशिश की जा रही है, जो 1990 और 2000 के दशक में घाटी में आतंक का प्रमुख चेहरा रहे थे।

एजेंसियों के अनुसार, इन प्रयासों का मकसद आतंक के वित्तपोषण, भर्ती और नेटवर्किंग को राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियों की आड़ में छिपाना भी हो सकता है। खुफिया रिपोर्टों में संकेत मिले हैं कि आईएसआई ने कुछ निष्क्रिय और कमजोर पड़ चुके आतंकी संगठनों को फिर से सक्रिय करने का प्रयास तेज कर दिया है।

'कॉकरोच जनता पार्टी' उतरेगी सड़कों पर, 6 जून को भारत लौट रहे अभिजीत दीपके; जानें क्या है पूरा प्लान

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में नीट परीक्षा को लेकर मचे सियासी घमासान और छात्रों के आक्रोश के बीच अब सोशल मीडिया की जंग सीधे देश की राजधानी दिल्ली की सड़कों पर उतरने की तैयारी में है। सुप्रीम कोर्ट की एक टिप्पणी के बाद सोशल मीडिया पर आंधी की तरह उभरी 'कॉकरोच जनता पार्टी' (CJP) अब दिल्ली में एक बड़े और व्यापक आंदोलन का बिगुल फूंकने जा रही है। इस आंदोलन का नेतृत्व करने के लिए इसके संस्थापक और चर्चित सोशल मीडिया एक्टिविस्ट अभिजीत दीपके आगामी 6 जून को अमेरिका से भारत लौट रहे हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर अपने फॉलोअर्स से सीधे दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचने की अपील की है, जिसके बाद से ही खुफिया और सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। सोशल मीडिया से लेकर राजनीतिक गलियारों तक इस वक्त सबसे बड़ा सवाल यही तैर रहा है कि आखिर अभिजीत दीपके के अचानक भारत आने और इस कथित आंदोलन के पीछे का मुख्य एजेंडा क्या है? इसका खुलासा खुद अभिजीत ने अपने वीडियो में किया है। दरअसल, वह देश में हाल ही में हुई राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं (नीट-यूजी) में सामने आईं कथित गड़बड़ियों, धांधलियों और पेपर लीक के विरोध में छात्रों की आवाज बुलंद करने भारत आ रहे हैं। इस आंदोलन का सबसे प्रमुख मुद्दा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करना है।

इंदौर-महू में आंधी, उज्जैन समेत कई जिलों में बारिश

देवास में दीवार गिरने से 7 घायल, राजगढ़-शाजापुर में

भोपाल (आरएनएस)। प्री-मानसून एक्टिविटी के चलते सोमवार को मध्य प्रदेश के इंदौर में धूल भरी आंधी चली। वार्ड नंबर 20 में सरकारी स्कूल के पास तेज हवा से बिजली का पोल और पेड़ गिर पड़े। इससे एक कार को नुकसान पहुंचा। राऊ में बीच सड़क पर बड़ा होर्डिंग गिर गया। इससे दोनों तरफ का ट्रैफिक रुक गया।महू में बायपास पर धूल भरी आंधी से ड्राइवरों को खासी परेशानी हुई। धार नाका इलाके में तेज हवा की वजह से पेड़ गिर गया। गोशाला में भागवत कथा समापन के दौरान भंडारे का टेंट उड़ गया। सामान भी बिखर गया।देवास में आंधी के चलते कई पेड़ गिर गए। खंभे झुकने से बिजली सप्लाई बंद हो गई। मकानों के टीनशेड उड़ गए। माता टेकरी की लाइटें क्षतिग्रस्त हो गईं। रूपा खेड़ी के पास मेरठी कांकड़ में दीवार गिरने से एक परिवार के सात लोग घायल हो गए। आगर-मालवा में आंधी से हार्डवेयर दुकान का शटर उखड़ गया।शाजापुर के अकोदिया मंडी में खुले में रखी उपज पूरी तरह भीग गई। पोलाय खुर्द में सड़कों और गलियों में पानी भर गया। मक्सी के पास सिरोलिया गांव में बीएसएनएल का टावर टेढ़ा होकर झुक गया।सीहोर में शाम 4 बजे ही घने बादलों की वजह से अंधेरा छा गया। स्ट्रीट लाइट चालू करनी पड़ी। चाणक्यपुरी कॉलोनी में बिजली की डीपी से करंट लगने के चलते दो बकरियों की मौत हो गई। अमलाहा सोंडा में ओले भी गिरे।राजगढ़ जिले के खिलचीपुर में बारिश से मंडी परिसर में रखा करीब 4 हजार क्विंटल गेहूं भीग गया। नर्मदापुरम की सिवनी मालवा तहसील के ग्रामीण इलाकों में भी ओले गिरे। सतना, टीकमगढ़, गुना, बैतूल, राजगढ़ और शिवपुरी में कहीं धीमी, कहीं तेज बारिश हुई।

चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश में महिला के दोनों पैर कटे, इटारसी रेलवे स्टेशन पर हादसा

तीन वर्षीय बेटा भी साथ गिरा, सीसीटीवी में कैद हुई घटना

इटारसी,(ए.)। मध्य प्रदेश के सबसे व्यस्त रेलवे जंक्शनों में से एक इटारसी रेलवे स्टेशन पर सोमवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास कर रही एक महिला अपने तीन वर्षीय बेटे के साथ ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच गिर गई। हादसे में महिला के दोनों पैर कट गए, जबकि बच्चे को मामूली चोटें आई हैं। पूरी घटना स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।घटना के बाद प्लेटफॉर्म पर अफरा-तफरी मच गई। यात्रियों, रेलवे कर्मचारियों और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की तत्परता से महिला और बच्चे को तत्काल ट्रैक से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार जबलपुर जिले के बिलपुरा मड़ाई गांव निवासी 25 वर्षीय अंजलि कश्यप अपने तीन वर्षीय बेटे के साथ गाड़ी संख्या 22187 रानी कमलापति-अधारताल इंटरसिटी सुपरफास्ट एक्सप्रेस से यात्रा कर रही थीं। सोमवार सुबह ट्रेन इटारसी रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-4 पर पहुंची थी। ट्रेन के रवाना होने के दौरान महिला ने अपने बच्चे के साथ कोच में चढ़ने का प्रयास किया। इसी दौरान संतुलन बिगड़ने से वह बच्चे सहित प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच गिर गई।

ट्विशा केसः फंदे पर लटकाया गया ट्विशा का पुतला,सास-पति के सामने सीन रीक्रिएट

भोपाल (आरएनएस)। ट्विशा शर्मा मौत मामले में लगातार सीबीआई जांच कर रही है। दिल्ली से आई एक स्पेशल टीम ने क्राइम रिक्रिशन किया है। इस पूरे घटनाक्रम की वीडियोग्राफी की गई।इसके लिए सीबीआई ने करीब 80 किलो वजन की डमी को फंदे पर लटकाया और फिर उतारा। डमी का वजन ट्विशा के बराबर करने के लिए उसमें रेत भरी गई और पैरों में लोहे के डंबल बांधे गए। करीब दो घंटे तक चली इस प्रक्रिया में सीबीआई ने अब तक सामने आए तथ्यों को घटनास्थल की परिस्थितियों से मिलाने की कोशिश की क्राइम रिक्रेशन के समय सीबीआई यह पता लगाने में जुटी है कि घटना के समय क्या हुआ था और उपलब्ध तथ्यों का घटना स्थल से कितना मेल बैठता है। बता दें कि रीक्रिएशन की पूरी प्रक्रिया करीब दो घंटे तक चली। वीडियोज और फोटो से पता चला है कि ट्विशा के फांसी के फंदे को समर्थ और गिरिबाला दोनों ने साथ में खोला था।

राहुल गांधी ने कहा- सीबीएसई छात्रों की जेब काटे, इसलिए टेंडर प्रक्रिया में ढील दी

-कॉपी का सही मूल्यांकन के लिए एक-एक छात्र को भरना पड़ते हैं दो-दो हजार

नई दिल्ली(ए.)। सीबीएसई 12वीं की ऑनलाइन मूल्यांकन प्रणाली (ओएसएम) पर उपजा विवाद अब एक बड़े राजनीतिक और तकनीकी घोटाले का रूप ले चुका है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) और सरकार पर गंभीर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि एक छात्र को अपनी उत्तर पुस्तिका का सही मूल्यांकन कराने के लिए करीब 2 हजार रुपए खर्च करना पड़ते हैं। ऐसे में इस साल करीब साढ़े 18 लाख छात्रों ने परीक्षा दी है। अंदाजा लगाईऐ लाखों छात्रों ने कितना पैसा खर्च किया होगा। राहुल गांधी का आरोप है कि इसके पीछे टेंडर प्रक्रिया में ढील दी गई ताकि इस मोटी रकम का सीधा फायदा एक कंपनी को मिल सके। उन्होंने कहा कि सीबीएसई अब छात्रों की जेब कतर रहा है।

उनका दावा है कि निविदा (टेंडर) प्रक्रिया में जानबूझकर ढील देकर एक खास निजी वेंडर, सीओईएमपीटी एजू टेक को फायदा पहुंचाया गया, जिसके कारण 18.5 लाख छात्रों का भविष्य दांव पर लग गया है। राहुल गांधी के अनुसार, मई 2025 के शुरुआती टेंडर में उत्तर पुस्तिकाओं को सुरक्षित रखते हुए ऑटोमैटिक रोबोटिक स्कैनर और 300 डीपीआई रिज़ॉल्यूशन से स्कैन करने की अनिवार्य शर्त थी। लेकिन अगस्त के संशोधित टेंडर में इन शर्तों को हटाकर रिज़ॉल्यूशन को 200 डीपीआई कर दिया गया। आरोप है कि इसके बाद वेंडर ने कॉपियों को पेशेवर स्कैनर के बजाय सामान्य मोबाइल फोन से स्कैन किया। इसके प्रमाण के रूप में छात्रों की कॉपियों पर ड्रॉप शैडो (परछाई) और मोड़ने के निशान साफ देखे गए हैं, जो केवल मोबाइल से फोटो खींचने पर आते हैं। इस तकनीकी लापरवाही के कारण मूल्यांकन में भारी गड़बड़ी सामने आई है। सोशल मीडिया पर धुंधली कॉपियों, गायब पन्नों और बिना जांचे गए जवाबों के स्क्रीनशॉट की बाढ़ आ गई है।

भोजशाला पहुंचे टी राजा सिंह बोले, पूर्व मुख्यमंत्री बाहर चादर चढ़ाकर चले जाते थे

धार(आरएनएस)। हैदराबाद के गोशामहल विधायक और हिंदूवादी नेता टी राजा सिंह सोमवार को धार स्थित भोजशाला पहुंचे। यहां उन्होंने मां सरस्वती के दर्शन-पूजन किए। दर्शन के बाद उन्होंने भोजशाला परिसर के बाहर लगे 'गैर हिंदू प्रवेश निषेध' बोर्ड को लेकर बयान दिया। उन्होंने कहा कि उनकी राय में यहां 'मुसलमानों का प्रवेश निषेध' लिखा जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने भोजशाला के आसपास के कथित अतिक्रमण हटाकर भव्य कॉरिडोर और मंदिर निर्माण की मांग भी उठाई। भोजशाला पहुंचने पर टी राजा सिंह का ढोल-नगाड़ों, आतिशबाजी और जयघोष के साथ स्वागत किया गया। इस दौरान भोज उत्सव समिति के पदाधिकारी, विभिन्न हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में हिंदू समाज के लोग मौजूद रहे।दर्शन-पूजन के बाद टी राजा सिंह ने कहा कि जब भी वह पहले धार आते थे तो मन में दुख लेकर लौटते थे। उनका दावा था कि जिस भोजशाला में कभी ज्ञान और शिक्षा का प्रसार होता था, उसकी पहचान को बदलने का प्रयास किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि यहां लैंड जिहाद करने की कोशिश हुई, लेकिन हिंदू समाज ने संघर्ष जारी रखा। उन्होंने कहा कि भोजशाला को लेकर संघर्ष कई वर्षों तक चला। उनके अनुसार मुगल काल, अंग्रेजों के शासन और स्वतंत्रता के बाद भी यह संघर्ष जारी रहा। उन्होंने दावा किया कि लंबे संघर्ष के बाद आज भोजशाला परिसर हिंदुओं के अधिकार में आया है। टी राजा सिंह ने कहा कि भोजशाला में अब तक केवल दो मुख्यमंत्री पहुंचे हैं। उन्होंने गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का नाम लेते हुए कहा कि बाकी मुख्यमंत्री नपुंसक थे। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ पूर्व मुख्यमंत्री भोजशाला के बाहर चादर चढ़ाने तो आते थे, लेकिन मंदिर परिसर में आने से बचते थे।

सूर्या चौहान हत्याकांड पर सीएम योगी का सख्त संदेश, बोले- कानून से खिलवाड़ करने वालों को नहीं बख्शेंगे

बिजनौर (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिजनौर के अफजलगढ़ में आयोजित एक जनसभा के दौरान सूर्या चौहान हत्याकांड का जिक्र करते हुए कहा कि दोस्ती के नाम पर धोखा और हिंसा किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हमेशा कानून का पालन करने वाले नागरिकों के साथ खड़ी है और जो लोग सामाजिक सौहार्द तथा कानून-व्यवस्था को चुनौती देंगे, उनके खिलाफकड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सूर्या चौहान को दोस्ती के नाम पर विश्वासघात का सामना करना पड़ा और घटना के बाद पुलिस ने कानून के मुताबिक कार्रवाई की है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि दोस्ती की आड़ में छुरेबाजी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही उन्होंने परिवारों से अपने बच्चों को सही संस्कार देने की अपील करते हुए कहा कि यदि कोई अपने बच्चों को सही रास्ता नहीं दिखा पा रहा है, तो यह उसकी बड़ी जिम्मेदारी और चूक है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पाकिस्तान से विस्थापित परिवारों, पूर्व सैनिकों और पट्टाधारकों को भूमि स्वामित्व अधिकार प्रमाण पत्र भी वितरित करने पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि पाकिस्तान से आए 1645 परिवारों और कई पूर्व सैनिकों को भूमिधरी अधिकार दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि दशकों से न्याय की प्रतीक्षा कर रहे इन परिवारों को अब उनकी जमीनों का वैध मालिकाना हक मिला है, जिससे हजारों लोगों को लाभ पहुंचेगा।

हिंदी भाषियों की आवाज बुलंद करेंगे मंत्री अर्जुन सिंह व उमेश राय

कोलकाता(आरएनएस)। बंगाल की भाजपा सरकार में आज 35 विधायकों को मंत्री पद की शपथ दिलावाकर सीएम शुभेंदु अधिकारी ने जहां कई क्षेत्रों में संतुलन बनाने की कोशिश की तो वहीं उन्होंने इस राज्य में दो हिंदी भाषियों विधायक अर्जुन सिंह व उमेश राय को मंत्री बनाकर हिंदीपट्टी के भाजपा के प्रति विश्वास का अभिनंदन किया है। बिहार के भोजपुर जिले के बड़हरा प्रखंड अंतर्गत केवटिया गांव के मूल निवासी अर्जुन सिंह को मंत्री बनाए जाने के समाचार से केवल उनके गांव में ही नहीं बरन बंगाल के हिंदी भषियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। अर्जुन सिंह के मंत्री पद की शपथ लेते ही उनके चाहने वालों ने बिहार से लेकर अपने-अपने इलाकों में उत्सव जैसा माहौल बना दिया। उनके समर्थकों ने पटाखे फोड़कर खुशी मनाई तथा एक-दूसरे को बधाई दी। बुजुर्गों से लेकर युवाओं तक में खासा उत्साह देखा गया। वहीं हावड़ा उत्तर विधानसभा से विधायक बने और उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के पलियां के मूल निवासी उमेश राय को भी मंत्री बनाये जाने पर गाजीपुर से लेकर बंगाल तक खास कर हावड़ा में जश्न का माहौल रहा। खबर के लिखे जाने तक उमेश राय के आवास पर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा। क्षेत्र के बुजुर्ग, युवा और महिलाएं सभी उन्हें शुभकामनाएं देने पहुंचे। समर्थकों का कहना है कि यह जीत उमेश राय के सरल स्वभाव, जनसेवा और क्षेत्र में उनकी सक्रियता का परिणाम है।

महिलाओं और बच्चों के कल्याण के लिए बेहतर कार्य करने वालों को प्रोत्साहन और लापरवाही बरतने वालों पर कड़ी कार्रवाई करें : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा

भोपाल (आरएनएस) । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं के क्रियान्वयन में अधिक से अधिक जन भागीदारी और जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। महिलाओं और बच्चों के कल्याण से संबंधित योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार हो। बच्चों और महिलाओं में पोषण स्तर को बेहतर करने के लिए संचालित गतिविधियों में स्वास्थ्य, स्कूल शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास सहित निजी अस्पतालों और संस्थाओं को भी जोड़ा जाए। इस दिशा में अन्य राज्यों और प्रदेश के जिलों में हो रहे सफल नवाचारों को अपनाने के लिए भी कार्ययोजना बनाई जाए। साथ ही मैदानी स्तर पर बेहतर कार्य करने वालों को प्रोत्साहित करें और लापरवाही बरतने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह निर्देश सोमवार को मंत्रालय में हुई महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया, मुख्य सचिव अनुराग जैन सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कामकाजी महिलाओं के लिए पीपीपी मोड पर हॉस्टल निर्माण की बनाएं कार्ययोजना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिन औद्योगिक इकाइयों में महिला कर्मियों की संख्या अधिक है, उन इकाइयों में कामकाजी महिलाओं के लिए पीपीपी मोड पर हॉस्टल निर्माण की कार्ययोजना बनाई जाए। बैठक में बताया गया कि देवास, नर्मदापुरम, झाबुआ और सिंगरौली में वर्किंग वुमेन हॉस्टल का निर्माण प्रारंभ हो गया है। प्रताड़ित महिलाओं को सहायता उपलब्ध कराने के लिए पांढुर्णा, मऊगंज, मैहर, पेटलावद-झाबुआ, इंदौर के लसूड़िया और सांवेर एवं धार के मनावर और पीथमपुर में वन स्टॉप सेन्टर स्वीकृत किए गए हैं। चाइल्ड हेल्पलाइन अंतर्गत 51 जिला स्तरीय और 01 राज्य स्तरीय हेल्प सेंटर के माध्यम से 66 हजार से अधिक बच्चों को सहायता उपलब्ध कराई गई। जोखिम ग्रस्त बच्चों की मैपिंग के लिए 13 जिलों में प्रक्रिया जारी है।

5 से 6 वर्ष के आयु वर्ग के बच्चों के लिए आयोजित किया गया विद्यारंभ समारोह

बैठक में बताया गया कि प्रदेश में 5 से 6 आयु वर्ग के 9 लाख 28 हजार बच्चों के लिए विद्यारंभ आयोजित कर उन्हें विद्यारंभ प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराया गया और बच्चों का शाला में सुगम प्रवेश सुनिश्चित किया गया। प्रदेश के इस नवाचार को राष्ट्रीय स्तर पर विशेष सराहना मिली है। बाल देखरेख संस्थाओं द्वारा मुख्यमंत्री खेल एवं सांस्कृतिक महोत्सव के आयोजन की प्रक्रिया भी आरंभ की गई है।

सक्षम आंगनवाड़ी उन्नयन में मध्यप्रदेश देश में अग्रणी

बैठक में बताया गया कि सक्षम आंगनवाड़ी उन्नयन के अंतर्गत प्रदेश में एक साथ 12 हजार 670 मिनी केंद्रों को मुख्य आंगनवाड़ी के रूप में उन्नत कर मध्यप्रदेश देश में अग्रणी बना है। इस प्रकार की पहल में मध्यप्रदेश, देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में जनवरी 2024 से मई 2026 तक प्रदेश की 01 करोड़ 25 लाख से अधिक पात्र बहनों को 47 हजार 775 करोड़ रुपये से अधिक की मासिक आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई है। मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना के अंतर्गत मई 2026 तक 15 लाख 84 हजार बालिकाओं का पंजीयन कर 537 करोड़ रुपये से अधिक की छात्रवृत्ति वितरित की गई।बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में दर्ज 15 लाख 51 हजार गर्भवती महिलाओं को 798 करोड़ 68 लाख रूपये से अधिक का भुगतान किया गया। इस योजना के क्रियान्वयन में पिछले ढाई साल से मध्यप्रदेश देश में अग्रणी है। बैठक में बताया गया कि प्रदेश की सभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मिनी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका को बीमा योजना से लाभान्वित किया गया है।

भोपाल में गंदे पानी की सप्लाई...

गर्मी में बढ़ी मुसीबतः वार्ड-27 में टैंकरों से आ रहा पानी; 5 हजार आबादी परेशान

भोपाल (आरएनएस) । मांडवा बस्ती के शेर सिंह सोलंकी ने बताया कि यहां पानी की सप्लाई टैंकरों से ही होती है। नल कनेक्शन नहीं है, लेकिन पिछले कुछ दिन से टैंकरों का पानी मटमैला आ रहा है। जिससे यह पीने के लिए उपयोग नहीं हो सकता। ऐसी स्थिति में आसपास से पीने के लिए पानी की जुगाड़ करते हैं। पार्षद से मांग की है कि यहां साफ पानी की सप्लाई करें।

मेयर ने कहा-आरओ लगाने की जरूरत नहीं

मेयर मालती राय ने हाल ही में विधानसभा के सामने नगर निगम के फिल्टर प्लांट का निरीक्षण किया था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि जिन इलाकों में बड़ा तालाब का पानी मिल रहा है, वहां रहने वाले लोगों को RO लगाने की जरूरत नहीं है। यहां से शुद्ध पानी दिया जा रहा है। हालांकि, कई इलाके ऐसे हैं, जहां लोगों को गंदा पानी मिल रहा है। भानपुर के पास बिहारी बस्ती में नर्मदा लाइन से मटमैला पानी आ रहा है।

सीएम ने पीसीसी चीफ को कहा- दो कौड़ी का प्रदेशाध्यक्ष

पटवारी बोले- पुतला दहन नहीं, गांधीवादी तरीके से देंगे बयान का जवाब

भोपाल(आरएनएस) । शाजापुर जिले के शुजालपुर में सीएम डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पर तीखा हमला बोला। पटवारी ने उन्हें 'मोहन लाल अभिनंदन यादव' कहा था, इस पर पलटवार करते हुए सीएम ने कहा- हां, हम तो अभिनंदन लाल हैं, तुम टपोरी लाल हो। मुख्यमंत्री ने कहा- प्रदेश में विकास की बयार चल रही है, लेकिन कांग्रेस उसका भी विरोध कर रही है। उन्होंने जीतू पटवारी को निशाने पर लेते हुए कहा- ऐसा प्रदेशाध्यक्ष नहीं देखा, जिसके कार्यकाल में इंदौर लोकसभा सीट का उम्मीदवार चुनाव मैदान छोड़कर भाग जाए। सीएम ने कहा- कांग्रेस को उम्मीदवार तक नहीं मिल रहे, जो नेता अपनी विधानसभा सीट नहीं बचा पाया और 40 हजार वोट से हार गया, वही आज प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बना हुआ है। कांग्रेस अपने कर्मों का फल भुगत रही है, इसलिए उसका जनाधार लगातार सिमट रहा है। सीएम के इस बयान पर कांग्रेस नेता भड़क गए हैं। कमलनाथ, दिग्विजय सिंह, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार से लेकर तमाम विधायक और पदाधिकारी मुख्यमंत्री के बयान की निंदा कर रहे हैं। रविवार रात को ही भोपाल में सीएम का पुतला दहन किया गया। सीएम मोहन के बयान पर जीतू पटवारी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर पलटवार किया।

मंत्रालय में राष्ट्र-गीत एवं राष्ट्र-गान का हुआ सामूहिक गायन

भोपाल(आरएनएस) । जून माह के प्रथम शासकीय कार्य दिवस पर सोमवार को मंत्रालय स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में राष्ट्र-गीत "वंदे-मातरम " एवं राष्ट्र-गान "जन-गण-मन " का सामूहिक गायन हुआ। इस अवसर पर पुलिस बैंड ने मधुर धुनें प्रस्तुत की। वंदेमातरम गायन में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल, संजय कुमार शुक्ला, प्रमुख सचिव मनीष सिंह सहित मंत्रालय वल्लभ भवन सहित सतपुड़ा और विंध्याचल भवन के अधिकारी-कर्मचारी और पुलिस कर्मी उपस्थित थे।

देशभक्ति गीत गाकर म्यूजिक टीचर्स का प्रदर्शन

चयन के बाद जॉइनिंग का इंतजार; बोले-8 बार भोपाल आ चुके, हर बार मिल रहा आश्वासन

भोपाल(ए.)। अब पढ़ाई से भरोसा उठ गया है। गांव लौटकर खेती ही करेंगे। पढ़ाई कर, परीक्षा देकर भी नौकरी नहीं मिलनी तो क्या फायदा? बच्चों को भी यही सिखाएंगे।

यह कहना है बालाघाट से आए दुर्गेश का। यह सिर्फ दुर्गेश की कहानी नहीं, बल्कि उन हजारों म्यूजिक टीचर्स का दर्द है, जो कई महीनों से नियुक्ति का इंतजार कर रहे हैं। प्राथमिक शिक्षक वर्ग-3, माध्यमिक शिक्षक वर्ग-2 (संगीत और नृत्य) के चयनित टीचर्स सोमवार को भोपाल स्थित लोक शिक्षण संचालनालय (DPI) के बाहर धरने पर बैठे। सभी ने देशभक्ति के गाने गाकर अनोखा प्रदर्शन किया। करीब 1100 टीचर्स की मांग है कि उनकी स्कूल चयन (चॉइस फिलिंग) और जॉइनिंग प्रक्रिया जल्द शुरू की जाए।

टीचर्स का कहना है कि वे 8 बार भोपाल आकर आंदोलन कर चुके, लेकिन हर बार उन्हें सिर्फ आश्वासन मिला है। उनका कहना है कि साल 2025 में परीक्षा और चयन प्रक्रिया के बावजूद अब तक नियुक्ति नहीं दी गई।

रिजल्ट आए 6 महीने हुए, अभी तक नियुक्ति नहीं मिली

प्रदर्शन में शामिल पूजा दीक्षित ने बताया कि उनकी पात्रता परीक्षा साल 2023 में हुई थी, जबकि चयन परीक्षा

2025 में हुई थी। रिजल्ट आने के बाद भी अब तक नियुक्ति नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि नियमों के अनुसार, दस्तावेज सत्यापन के तीन महीने के भीतर नियुक्ति मिल जानी चाहिए, लेकिन सत्यापन हुए 6 महीने से अधिक समय बीत गया। विभाग की ओर से कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला है।

चयनित टीचर माधवी चौहान बोली- अब लोग ताने दे रहे हैं

वहीं, प्रदर्शन में जबलपुर से आईं माधवी चौहान ने कहा कि वह अपनी दो साल की बेटी को छोड़कर भोपाल पहुंची हैं, ताकि नियुक्ति की मांग उठा सकें। उन्होंने बताया कि जहां वह पहले काम कर रही थीं, वहां भी लोगों ने यह कहकर उन्हें हटने को कहा कि उनकी सरकारी नौकरी लग चुकी है।

माधवी ने कहा कि नियुक्ति में हो रही देरी के कारण अब लोग उनके चयन पर भी सवाल उठाने लगे हैं और ताने देते हैं कि चयन होने के बावजूद उनकी जॉइनिंग नहीं हुई।

सिवनी से आईं भारती बोली- दूसरों से पैसे लेकर काम चला रहे हैं

सिवनी से आईं भारती भावुक हो गईं। उन्होंने कहा, हम रातभर का सफर करके यहां पहुंचे हैं। धूप में बैठे-बैठे चक्कर आने लगे हैं। मैं सिंगल मदर हूं और मेरा एक छोटा बेटा है। उसके भरण-पोषण की पूरी जिम्मेदारी मेरे ऊपर है। कोई सहारा नहीं है, सब कुछ खुद ही संभालना पड़ता है। पता नहीं, कब तक इन दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ेंगे।उन्होंने कहा कि यहां आने के लिए भी मुझे दूसरों से पैसे उधार लेने पड़े। इतनी पढ़ाई, मेहनत और परीक्षाएं पास करने के बाद भी नियुक्ति नहीं मिल रही। कई बार तो यह सोचकर रोना आ जाता है।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन और लोक सेवा गारंटी में लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई-कलेक्टर श्री मिश्रा

कृषक कल्याण वर्ष के 12 प्रमुख संकेतकों पर प्रगति लाने के निर्देश, जनहित के कार्यों में शिथिलता बर्दाश्त नहीं

भोपाल (आरएनएस) । कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने स्पष्ट किया है कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन, लोक सेवा गारंटी एवं जनहित से जुड़े प्रकरणों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा उदासीनता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि आमजन की शिकायतों के त्वरित एवं संतोषजनक निराकरण में शिथिलता बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा पत्रों की साप्ताहिक समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री मिश्रा ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर 100 दिवस से अधिक समय से लंबित एवं अनाकलित शिकायतों को गंभीरता से लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को तत्काल कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश देते हुए चेतावनी दी कि कार्यप्रणाली में सुधार नहीं होने पर अर्थदंड (पेनाल्टी) की कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में शिक्षा विभाग एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग (पीएचई) की कार्यप्रणाली पर असंतोष व्यक्त करते हुए उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।लोक सेवा गारंटी के लंबित प्रकरणों में तय होगी जवाबदेही कलेक्टर श्री मिश्रा ने आरसीएमएस पोर्टल के माध्यम से प्रदान की जा रही लोक सेवा गारंटी सेवाओं की समीक्षा करते हुए समय-सीमा से बाहर हो चुके प्रकरणों में जवाबदेही तय करने और संबंधित अधिकारियों पर नियमानुसार पेनाल्टी लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की सेवाएं निर्धारित समयावधि में नागरिकों तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

राजस्व एवं सत्यापन कार्यों में सुधार लाने के निर्देश बैठक में आधार के 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के सत्यापन तथा 100 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों (सेंचुरियन-100) के मृतक सत्यापन कार्यों की समीक्षा भी की गई। अपेक्षित प्रगति नहीं मिलने पर संबंधित तहसीलदारों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। साथ ही उच्च न्यायालय में लंबित अवमानना प्रकरणों की समीक्षा कर सभी मामलों में समय-सीमा के भीतर वैधानिक जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।कृषक कल्याण वर्ष के लक्ष्यों पर विशेष फोकस कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि वर्तमान वर्ष को 'कृषक कल्याण वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है। ऐसे में कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा निर्धारित 12 प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (केपीआई) पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने किसानों की आय वृद्धि, कृषि आधुनिकीकरण और खाद्य सुरक्षा से जुड़े लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु विभागों को समन्वित रूप से कार्य करने के निर्देश दिए।

भोपाल। अंबेडकर पार्क में गौ माता को राष्ट्रीय पशु घोषित करने के लिए साधु संतों सहित धरना दिया गया।

पेट्रोल डीजल की आंच सब्जी फलों से किराना तक पहुंची सब महंगा

- दाल, चावल, शक्कर सब महंगा

भोपाल (ए.)। ईरान-अमेरिका युद्ध से उत्पन्न हुए वैश्विक तेल संकट का असर अब भारत पर तेजी से पडने् लगा है। बीते 15 दिनों में पेट्रोल और डीजल के दाम लगातार बढने् से महंगाई का असर साफ दिखने लगा है। पेट्रोल-डीजल के दाम बढने् से ट्रांसपोर्ट महंगा हो गया है, जिससे फल और सब्जी से लेकर किराना सामग्री तक में 7 से लेकर 10 प्रतिशत तक की महंगाई देखी जा रही है।

किराना सामग्री और फल जिसमें सेवफल, आम और केला के दामों पर महंगाई का असर सबसे अधिक पड़ा है। तो वहीं दाल, चावल से लेकर शक्कर तक के दाम बढ़ गए हैं। भोपाल ही नहीं, मप्र के सभी प्रमुख शहरों में फल सब्जी व किराना व्यापारियों पर महंगे ट्रांसपोर्ट का असर पड़ा है, जिसका सीधा असर अब उपभोक्ताओं की जेब पर पडने् लगा है।

- किराना में बादाम, काजू, चावल, दाल महंगे

किराना व्यापारी महेश शर्मा ने बताया कि बीते 15 दिनों में ही किराना सामग्री पर 5 प्रतिशत से 10 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई है। दालों में 5 रु किलो की वृद्धि हुई है. शक्कर में 1.5 रुपए प्रति किलो, बादाम पर 40 रूपए प्रति किलो, काजू में 30 रूपए किलो की वृद्धि देखी गई है। पेट्रोल और डीजल का रेट बढ़ाने की वजह से ट्रांसपोर्ट की कॉस्टिंग बढने् लगी है। 15 दिनों में ही इसका असर किराना सामग्री पर देखने को मिल रहा है। अब उम्मीद यही की जा रही है कि पेट्रोल-डीजल की कीमत कम होगी तो महंगाई पर लगाम लगेगी।

कर चोरी, फर्जी बिलिंग को रोकेगा इंफोर्मेशन मॉड्यूल : उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा

वाणिज्यिक कर विभाग के इन्फॉर्मेशन मॉड्यूल का हुआ शुभारंभ

भोपाल (आरएनएस)। उप मुख्यमंत्री एवं वाणिज्यिक कर मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा है कि विभाग द्वारा प्रारंभ किये गये इंफॉर्मेशन मॉड्यूल से वित्तीय चोरी को रोका जा सकेगा। इसका लाभ प्रदेश को राजस्व वृद्धि में मिलेगा। उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने मध्यप्रदेश वाणिज्यिक कर विभाग के अधिकारियों को इंफोर्मेशन मॉड्यूल के निर्माण और शुभारंभ पर बधाई देते हुए कहा कि मॉड्यूल की बेहतर तरीके से मॉनिटरिंग भी सुनिश्चित की जाएं।उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने कहा कि राज्य में कर अपवंचन की रोकथाम, राजस्व संग्रहण में वृद्धि तथा नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिये इन्फॉर्मेशन मॉड्यूल विकसित किया गया है। यह मॉड्यूल कर चोरी, फर्जी बिलिंग, बिना बिल के व्यापार, अवैध गोदाम, कर संबंधी अनियमितताओं एवं अन्य संदिग्ध गतिविधियों की सूचना सीधे विभाग तक सुरक्षित एवं सरल माध्यम से उपलब्ध कराने की सुविधा प्रदान करेगा।मॉड्यूल से प्राप्त सूचनाओं का विभाग द्वारा विश्लेषण एवं सत्यापन किया जाएगा तथा आवश्यकतानुसार नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। प्राप्त सूचनाओं के निराकरण की स्थिति एवं विभाग द्वारा की गई कार्रवाई से संबंधित जानकारी नागरिक पोर्टल पर उपलब्ध डैशबोर्ड के माध्यम से साझा की जाएगी। इससे प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित हो सकेगी।नागरिकों द्वारा प्रदान की गई उपयोगी एवं तथ्यात्मक जानकारी राज्य के राजस्व संरक्षण, कर अपवंचन पर प्रभावी नियंत्रण तथा कर प्रशासन को अधिक पारदर्शी एवं उत्तरदायी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। आयुक्त वाणिज्यिक कर अनय द्विवेदी ने अपील की है कि नागरिक राज्यहित में इस मॉड्यूल का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करें तथा कर अपवंचन की रोकथाम एवं राजस्व वृद्धि में सहभागी बनें। नागरिकों की सक्रिय सहभागिता से राज्य में निष्पक्ष एवं पारदर्शी व्यापारिक वातावरण को बढ़ावा मिलेगा तथा शासन की विकासात्मक योजनाओं के लिए आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। विस्तृत जानकारी के लिये विभागीय वेबसाईट https://mpta&.mp.gov.in/ एवं इंफॉर्मेशन मॉड्यूल के लिए http://117.239.38.166/info/inde&.jsp पर क्लिक करें।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर युवाओं को किया जागरूक - दिलाई नशा मुक्ति की शपथ

राजगढ़ (ए.)। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा नरसिंहगढ़ स्टेडियम में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं को तंबाकू से बने उत्पादों के सेवन से होने वाली गंभीर बीमारियों, जैसे कैंसर, क्षय रोग (टीबी), हृदय रोग एवं अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही तंबाकू और नशे की लत से बचने तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

इस अवसर पर सभी उपस्थित युवाओं को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई तथा समाज में नशे के प्रति जागरूकता फैलाने का संकल्प भी कराया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में भूतपूर्व सैनिक मनीष चोपड़ा का विशेष सहयोग रहा। आयोजकों ने उनके योगदान के प्रति हृदय से धन्यवाद एवं आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सहयोग से कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन संभव हो सका। कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अधिकारियों, खेल प्रशिक्षकों, युवाओं एवं गणमान्य नागरिकों की सहभागिता रही।

ग्वालियर पुलिस ने सोने-चांदी के आभूषण चोरी करने वाले गिरोह के दो और सदस्यों को किया गिरफ्तार

अब तक लगभग 94 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त

ग्वालियर(ए.)। प्रदेश में संपत्ति संबंधी अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने एवं संगठित चोरी करने वाले गिरोहों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में ग्वालियर जिले की थाना इंदरगंज पुलिस ने सूने मकान में सोने-चांदी के आभूषण चोरी करने वाले गिरोह के दो और सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 200 ग्राम सोने का टुकड़ा, 50 ग्राम सोने की चूड़ियां, 12 किलो 500 ग्राम चांदी तथा एक आई-20 कार सहित लगभग 87 लाख रूपए की संपत्ति जब्त की है। इससे पूर्व पुलिस ने एक विधि विरूद्ध बालकको अभिरक्षा में लेकर, गिरोह के मास्टरमाइंडतथा चोरी का माल खरीदने वाले सर्राफा कारोबारी को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लगभग 7 लाख 25 हजार रुपये की संपत्ति जब्तकर चुकी है। इस प्रकार प्रकरण में अब तक लगभग 94 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति बरामद की जा चुकी है। उल्लेखनीयहै कि 05 मई को थाना इंदरगंज क्षेत्र निवासी फरियादी द्वारा अपने सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों द्वारा सोने-चांदी के जेवरात चोरी किए जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। प्रकरण पंजीबद्ध होने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर धर्मवीर सिंह के निर्देशन में थाना इंदरगंज पुलिस द्वारा तकनीकी साक्ष्यों, मुखबिर तंत्र एवं सतत निगरानी के माध्यम से आरोपियों की तलाश प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर दो संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की थी। पूछताछ में उन्होंने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने पनिहार टोल के आगे जंगल क्षेत्र में जमीन में छिपाकर रखीगई 02 किलो चांदी कीमत 06 लाखरूपए, एक जोडीपायजेब कीमत 9 हजार रूपए, एक सोने की चेन कीमत 75 हजाररूपए, 02 सोने की अंगूठी कीमत 42 हजाररूपए सहित लगभग 7 लाख 25 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की थी। पुलिस द्वारा चोरी के माल की खरीद-फरोख्त में संलिप्त व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

राजश्री गुटखा नहीं खिलाया तो घोंप दिया चाकू

जबलपुर (ए.)। अधारताल थाना अतंर्गत दुर्गा मंदिर के पास राजश्री गुटखा नहीं खिलाने की बात पर दो बदमाशों ने एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला कर घायल कर दिया।

अधारताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ऋषिनगर करौंदा अधारताल निवासी 24 वर्षीय विक्की उर्फ रिंकू यादव गत रात लगभग 10.30 बजे काम कर अपने घर आ रहा था तभी रास्ते में दुर्गा मंदिर के पास उसके पूर्व के परिचित शानू केवट, नीरज केवट मिले और उससे राजश्री गुटखा मांगा, उसने कहा कि उसके पास राजश्री गुटखा नहीं है इस पर दोनों नाराज हो गए और गाली गलोज कर नीरज ने चाकू से उस पर जानलेवा हमला कर घायल कर दिया । पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 115(2), 109, 351(2), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

सलमान खान ने किया धर्म परिवर्तन, अब बना सनातनी शांतनु

उज्जैन (ए.)। उज्जैन के गांधीनगर निवासी एक युवक ने स्वेच्छा से सनातन धर्म अपनाकर नई धार्मिक पहचान ग्रहण की है। पहले सलमान खान के नाम से पहचाने जाने वाले युवक का नाम अब शांतनु रखा गया है। धार्मिक अनुष्ठान के बाद उसे कश्यप गोत्र प्रदान किया गया। यह प्रक्रिया रविवार को उज्जैन के गंगाघाट स्थित एक धार्मिक स्थल पर संपन्न हुई। जानकारी के अनुसार युवक ने पहले ही प्रशासन को आवेदन देकर धर्म परिवर्तन की इच्छा जताई थी। आवेदन में उसने स्पष्ट किया था कि यह निर्णय उसने किसी दबाव, प्रलोभन या जबरदस्ती के बिना अपनी इच्छा से लिया है। धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुए इस कार्यक्रम में संतों और श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही।

डिस्ट्रिक्ट सेन्सस हैण्डबुक के लिए अगस्त माह में संकलित होंगे आंकडे

सतना (ए.)। जनगणना 2027 के अंतर्गत जिला जनगणना हस्त पुस्तिका के लिए राजस्व ग्राम एवं नगर निर्देशिका आंकडों का संचयन एवं संकलन अगस्त माह में किया जायेगा। चार्ज अधिकारी अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत प्रत्येक ग्राम एवं नगर के लिए क्षेत्र पदाधिकारियों की नियुक्ति करेंगे। इस आशय की जानकारी कलेक्टर एवं प्रमुख जिला जनगणना अधिकारी डॉ. सतीश कुमार एस की अध्यक्षता में संपन्न जनगणना कार्य और टीएल बैठक में समीक्षा के दौरान दी गई। इस अवसर पर आयुक्त नगर निगम शेर सिंह मीना, सीईओ जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह, एसडीएम महिपाल सिंह गुर्जर, राहुल सिलाडिया, एलआर जांगडे, सुभाष मिश्रा, सुमेश द्विवेदी सहित विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे। जनगणना कार्य की समीक्षा में बताया गया कि सर्कुलर 18 के निर्देशानुसार डिस्ट्रिक्ट सेन्सस हैण्डबुक के लिए गांव और शहर की आधारभूत सुविधाओं की जानकारी ऐप के माध्यम से संकलित की जायेगी। इसके लिए चार्ज अधिकारी पृथक से गांव और शहर के लिए पटवारी, ग्राम पंचायत सचिव, ग्रामीण विकास अधिकारी को क्षेत्र पदाधिकारी के रूप में नियुक्त करेंगे।

आचार्य चाणक्य जन्मोत्सव पर पक्षियों के लिए सकोरे एवं दाना पानी का वितरण किया

ग्वालियर (ए.)। आचार्य चाणक्य जन्मोत्सव, ब्राह्मण गौरव दिवस, वैश्विक माता पिता दिवस, और अंतर्राष्ट्रीय बाल दिवस सभी 1 जून को सकल ब्राह्मण महासमिति द्वारा मनाए गए।

महासमिति के अध्यक्ष बीना भारद्वाज एवं वरिष्ठ समाजसेविका श्रीमती विमला देवी पांडे (92 वर्षीय) ने ब्राह्मण के हर घर की छत पर पक्षियों को पीने का पानी एवं दाना पानी देने का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में सकल ब्राह्मण महासमिति के पदाधिकारी ने भाग लिया।

मुख्य वक्ता सकल ब्राह्मण महासमिति के संयुक्त अध्यक्ष गिरिराज गुरुजी ने कहा कि आचार्य चाणक्य विचार ज्ञान, दूरदर्शिता तथा राष्ट्रहित के लिए समर्पण समाज को आज भी प्रेरित करता है।

भागवताचार्य मधु बहनजी ने कहा कि वेद, ज्ञान और संस्कृति की अमूल्य धरोहर को संजोए रखने वाले ब्राह्मण समाज है। पक्षियों की भूख प्यास बुझाने सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। श्रीमद् भागवत कथा के दौरान वितरित किए जाने वाले प्रसाद में पक्षियों को पीने के पानी के लिए सकोरे और दाना का दान करना चाहिए.इस अवसर पर संस्थापक डॉ जयवीर भारद्वाज, अनीता रिछारिया, सुधा दीक्षित, शशि शर्मा, बीना भारद्वाज, संगीता शर्मा, मंजू मिश्रा अल्का मिश्रा रेनू शर्मा, अनीता दीक्षित, रेखा चतुर्वेदी,माया भारद्वाज ,शशि गोस्वामी, अंजू दीक्षित, किरण मिश्रा, तरूण लता पाठक, डॉ मुन्नालाल शर्मा, ब्रह्म दत्त पाण्डेय शास्त्री,देवेन्द्र कुमार पाठक, के.बी. दुबे,एच बी शर्मा, योगेंद्र दीक्षित, अशोक कुमार शर्मा, गेंदालाल पाठक, आदि उपस्थित थे।

व्यापार समाचार

कमर्शियल एलपीजी की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी, दिल्ली में 42 रुपए महंगा हुआ सिलेंडर

नई दिल्ली (आरएनएस)। कमर्शियल एलपीजी की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी की गई है। सोमवार से लागू हुई नई कीमतों के मुताबिक, दिल्ली में 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 42 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। दिल्ली में अब 3,113.50 रुपये प्रति सिलेंडर हो गया है।

वहीं, कोलकाता में और भी ज्यादा बढ़ोतरी की गई है। कोलकाता में 53.50 रुपये का इजाफा हुआ है। जिससे कीमत बढ़कर 3,255.50 रुपये प्रति सिलेंडर हो गया है।

ईंधन और ट्रांसपोर्टेशन के बढ़े खर्चों की वजह से कीमतों में इजाफा किया गया है। तेल मार्केटिंग कंपनियों ने 5 किलो वाले फ्री ट्रेड एलपीजी (एफटीएल) सिलेंडरों की कीमत में भी 11 रुपये की बढ़ोतरी की है। दिल्ली में, 5 किलो वाले एफटीएल सिलेंडर की कीमत अब 821.50 रुपये होगी। हालांकि, घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जिससे घरेलू उपभोक्ताओं को कुछ राहत मिली है।जनवरी में, दिल्ली में 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत 1,691.50 रुपये थी। हर महीने होने वाले कई बदलावों के बाद, अब कीमत बढ़कर 3,113.50 रुपये हो गई है। पांच महीनों के अंदर 1,400 रुपये से ज्यादा की बढ़ोतरी हो गई है।फरवरी में कमर्शियल एलपीजी की कीमतों में 49 रुपये की बढ़ोतरी की गई थी, जिसके बाद मार्च में 115 रुपये की एक और बढ़ोतरी हुई। अप्रैल में 993 रुपए प्रति सिलेंडर की सबसे बड़ी बढ़ोतरी की गई थी। अब एक जून से दरों में एक बार फिर वृद्धि कर दी गई है।अब मुंबई में 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 3,024.50 रुपये, चेन्नई में 3,232 रुपये, हैदराबाद में 3,294 रुपये और पटना में 3,322 रुपये हो गई है। इससे पहले हाल ही में दिल्ली और आस-पास के इलाकों में कंप्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की कीमतों में 2 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी की गई थी। 15 मई से, सीएनजी की कीमतों में चार अलग-अलग बदलाव में कुल 6 रुपए की बढ़ोतरी हो गई है।हाल के हफ्तों में पेट्रोल और डीजल की कीमतें भी बढ़ी हैं। पेट्रोल की दरें 7.35 रुपये प्रति लीटर बढ़ी हैं, जबकि डीजल की कीमतें कई चरणों में 7.53 रुपये प्रति लीटर बढ़ाई गई हैं।

मई 2026 में यूपीआई ने बनाया नया रिकॉर्ड, 23.20 अरब ट्रांजैक्शन के साथ डिजिटल भुगतान में नई ऊंचाई

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत में डिजिटल भुगतान का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है और यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) ने एक बार फिर अपनी मजबूत पकड़ साबित की है। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा साझा किए गए ताजा आंकड़ों के अनुसार, मई 2026 में यूपीआई के जरिए कुल 23.20 अरब ट्रांजैक्शन दर्ज किए गए, जो कि पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 24 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

एनपीसीआई ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से बताया कि मई 2026 के दौरान यूपीआई के माध्यम से कुल 29.90 लाख करोड़ रुपए के ट्रांजैक्शन हुए, जो कि पिछले साल की तुलना में 19 प्रतिशत अधिक है। इससे साफ है कि देश में न केवल यूपीआई ट्रांजैक्शन की संख्या बढ़ रही है, बल्कि बड़े मूल्य के लेनदेन भी तेजी से डिजिटल माध्यमों से किए जा रहे हैं। एनपीसीआई के आंकड़ों के मुताबिक, मई में प्रतिदिन औसतन 748 मिलियन ट्रांजैक्शन हुए। वहीं, रोजाना औसतन 96,465 करोड़ रुपए का भुगतान यूपीआई प्लेटफॉर्म के जरिए किया गया। यह दर्शाता है कि यूपीआई अब आम लोगों की दैनिक वित्तीय गतिविधियों का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है।

वहीं, अप्रैल 2026 में यूपीआई के जरिए 22.35 अरब ट्रांजैक्शन दर्ज किए गए थे, जबकि मई में यह संख्या बढ़कर 23.20 अरब हो गई। इसी तरह अप्रैल में कुल ट्रांजैक्शन राशि 29.03 लाख करोड़ रुपए थी, जो मई में बढ़कर 29.90 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई।

बुढ़ापे की लाठी' बन सकती है ये सरकारी स्कीम! हर महीने सिर्फ 55 रुपए जमा करके पा सकते हैं इतने रुपए की मासिक पेंशन

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश के करोड़ों असंगठित क्षेत्र के कामगारों के लिए बुढ़ापे में नियमित आय की व्यवस्था करना हमेशा एक बड़ी चुनौती रही है। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना (पीएम-एसवाईएम) संचालित कर रही है। यह एक ऐसी पेंशन योजना है, जिसके तहत बहुत कम मासिक योगदान देकर भविष्य में सुनिश्चित पेंशन का लाभ लिया जा सकता है। इस योजना का उद्देश्य उन श्रमिकों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है, जो रोजमर्रा की आय पर निर्भर रहते हैं और रिटायरमेंट के बाद आय का कोई स्थायी स्रोत नहीं होता।

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के तहत लाभार्थी को 60 वर्ष की आयु पूरी होने के बाद हर महीने 3,000 रुपए की निश्चित पेंशन दी जाती है। यानी सालाना 36,000 रुपए की आय सुनिश्चित होती है। खास बात यह है कि योजना में जितनी राशि लाभार्थी जमा करता है, उतनी ही राशि केंद्र सरकार भी उसके खाते में योगदान के रूप में जमा करती है। इस तरह व्यक्ति की बचत पर सरकार भी बराबर की भागीदारी निभाती है।

यह योजना मुख्य रूप से असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के लिए बनाई गई है। इसमें रेहड़ी-पटरी विक्रेता, रिक्शा चालक, घरेलू कामगार, निर्माण मजदूर, खेतिहर श्रमिक, बुनकर, मोची, धोबी और इसी तरह के अन्य कामगार शामिल हैं। योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक की आयु 18 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए और उसकी मासिक आय 15,000 रुपए या उससे कम होनी चाहिए।

हालांकि, जो व्यक्ति पहले से कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ), कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) या राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) जैसी योजनाओं का सदस्य है अथवा आयकरदाता है, वह इस योजना के लिए पात्र नहीं माना जाता।

इस योजना में जमा की जाने वाली राशि व्यक्ति की उम्र के अनुसार निर्धारित होती है। यदि कोई व्यक्ति 18 वर्ष की आयु में स्कीम से जुड़ता है, तो उसे केवल 55 रुपए प्रति माह जमा करने होते हैं। सरकार भी उसके खाते में 55 रुपए का योगदान देती है। इसी प्रकार उम्र बढ़ने के साथ मासिक योगदान की राशि भी बढ़ती जाती है।

उदाहरण के तौर पर 29 वर्ष की आयु में योजना से जुड़ने वाले व्यक्ति को हर महीने 100 रुपए जमा करने होते हैं, जबकि 40 वर्ष की आयु में शामिल होने वाले व्यक्ति का मासिक योगदान 200 रुपए होता है। 60 वर्ष की आयु तक नियमित योगदान करने के बाद पेंशन का लाभ शुरू हो जाता है।

योजना में नामांकन की प्रक्रिया काफी सरल रखी गई है। इच्छुक व्यक्ति अपने नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए आधार कार्ड, बैंक या जनधन खाते की जानकारी और मोबाइल नंबर की आवश्यकता होती है। शुरुआती योगदान जमा करने के बाद बैंक खाते से ऑटो-डेबिट सुविधा सक्रिय कर दी जाती है, जिससे हर महीने तय राशि स्वत: कटती रहती है।

इसके अलावा, इच्छुक लोग ऑनलाइन माध्यम से भी योजना के लिए पंजीकरण कर सकते हैं। सफल रजिस्ट्रेशन के बाद लाभार्थी को एक यूनिक पेंशन नंबर के साथ श्रम योगी पेंशन कार्ड जारी किया जाता है।यदि कोई सदस्य किसी कारणवश योजना को बीच में छोड़ना चाहता है, तो उसके लिए भी स्पष्ट नियम बनाए गए हैं। 10 वर्ष से पहले योजना से बाहर निकलने पर जमा की गई राशि और उस पर मिलने वाला बचत खाते के बराबर ब्याज वापस कर दिया जाता है। वहीं, 10 वर्ष पूरे होने के बाद लेकिन 60 वर्ष की आयु से पहले बाहर निकलने की स्थिति में सदस्य को अधिक लाभकारी ब्याज दर के साथ जमा राशि लौटाई जाती है।इस योजना की एक और महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यह परिवार को भी आर्थिक सुरक्षा प्रदान करती है। यदि 60 वर्ष की आयु पूरी होने से पहले लाभार्थी की मृत्यु हो जाती है, तो उसका जीवनसाथी योजना को आगे जारी रख सकता है।

यूपीआई से गाड़ियों की कीमत तक, 1 जून से यह बड़े बदलाव

नई दिल्ली , (आरएनएस)। जून महीने की शुरुआत के साथ आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी और फाइनेंशियल प्लानिंग से जुड़े कई बड़े बदलाव लागू होने जा रहे हैं। इन बदलावों का असर गैस सिलेंडर की कीमतों से लेकर डिजिटल पेमेंट और बैंकिंग सेवाओं तक दिखाई देगा। ऐसे में 1 जून से पहले इन बदलावों को जानना जरूरी है।

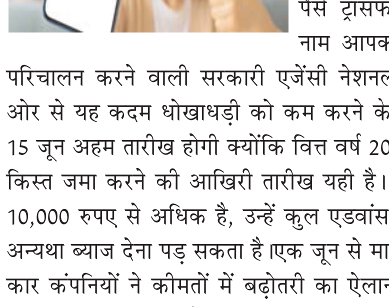

यूपीआई ट्रांजैक्शन में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। एक जून से जिस किसी को भी आप यूपीआई से पैसे ट्रांसफर करेंगे, उसका असली बैंक रजिस्टर्ड नाम आपको स्क्रीन पर दिखाई देगा। यूपीआई का परिचालन करने वाली सरकारी एजेंसी नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन (एनपीसीआई) की ओर से यह कदम धोखाधड़ी को कम करने के लिए उठाया गया है।टैक्सपेयर्स के लिए 15 जून अहम तारीख होगी क्योंकि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए एडवांस टैक्स की पहली किस्त जमा करने की आखिरी तारीख यही है। जिन लोगों की अनुमानित टैक्स देनदारी 10,000 रुपए से अधिक है, उन्हें कुल एडवांस टैक्स का 15 प्रतिशत जमा करना होगा, अन्यथा ब्याज देना पड़ सकता है।एक जून से मारुति सुजुकी और हुंडई मोटर इंडिया जैसी कार कंपनियों ने कीमतों में बढ़ोतरी का ऐलान किया है। मारुति सुजुकी जून से अपने सभी मॉडल्स की कीमतें 30,000 रुपए तक बढ़ा रही है। बढ़ोतरी मॉडल और वेरिएंट के हिसाब से अलग होगी।

सोने के भाव लुढ़के, चांदी भी तेज शुरुआत के बाद फिसली

- सोना 1300 से ज्यादा टूटकर ,59,500 के करीब, चांदी 2,66,091 प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली (ए.)। सोने और चांदी के वायदा भाव में सोमवार को नरमी का रुख देखने को मिला। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 1,300 रुपये से अधिक की गिरावट के साथ 1,59,541 रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी का जुलाई कॉन्ट्रैक्ट शुरुआती तेजी के बाद लुढ़ककर 2,66,091 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी इन कीमती धातुओं में गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 718 रुपये की गिरावट के साथ 1,60,193 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर खुला, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,60,911 रुपये था। दिनभर के कारोबार में यह और कमजोर हुआ और खबर लिखे जाने तक 1,370 रुपये की गिरावट के साथ 1,59,541 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस दौरान सोने ने 1,60,193 रुपये का उच्च और 1,59,350 रुपये का निम्न स्तर छुआ। इस साल सोने के वायदा भाव ने 1,80,779 रुपये प्रति 10 ग्राम का सर्वोच्च स्तर भी देखा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत हालांकि तेज रही। एमसीएक्स पर जुलाई कॉन्ट्रैक्ट 1,095 रुपये की तेजी के साथ 2,68,093 रुपये प्रति किलोग्राम पर खुला, जबकि पिछला बंद भाव 2,66,998 रुपये था। लेकिन, बाद में यह अपनी बढ़त गंवा बैठा और खबर लिखे जाने तक 907 रुपये की गिरावट के साथ 2,66,091 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। दिन के कारोबार में इसने 2,68,093 रुपये का उच्च और 2,65,513 रुपये का निम्न स्तर बनाया।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

दो चुनौतियां, एक सबक

सफल औद्योगिक राष्ट्र वे रहे हैं, जिन्होंने जिस उत्पाद पर ध्यान केंद्रित किया, उसकी पूरी आपूर्ति श्रृंखला अपने यहां स्थापित की। सफलता का एक सूत्र यह भी है कि उत्पादित वस्तुओं का एक बड़ा घरेलू बाजार भी हो। दुनिया भर में सेमीकंडक्टर उद्योग इस समय 'मेमफ्लेशन' की चुनौती का सामना कर रहा है। इस शब्द का अर्थ है मेमरी चिप्स की कमी के कारण बढ़ी महंगाई। मेमरी चिप्स की कीमत आसमान पर है, जिससे सेमीकंडक्टर महंगे हो गए हैं। इनका भारी असर उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों- खासकर मोबाइल फोन के उत्पादन पर पड़ा है। भारत के लिए ये घटनाक्रम इसलिए महत्त्वपूर्ण है कि मेक इन इंडिया और चाइना+1 रणनीति की कोई सफलता अपने देश में है, तो वह मोबाइल फोन की मैनुफैक्चरिंग (अथवा असेंबलिंग) है। हालिया वर्षों में भारत से मोबाइल फोन का निर्यात तेजी से बढ़ा है। मगर साथ ही मोबाइल फोन के पाट-पुर्जों का आयात भी बढ़ा है, जो ज्यादातर चीन, दक्षिण कोरिया या ताइवान जैसे देशों से होता है। जो चीजें बाहर से आती हैं, उनमें मेमरी चिप्स भी हैं। नतीजतन, ताजा ट्रेंड से भारत स्थित कारखानों की मुश्किलें बढ़ी हैं। एक अन्य खबर है कि अमेरिका में आयात शुल्क संबंधी जारी अनिश्चय के कारण भारत से सोलर मॉड्यूल का निर्यात बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस वर्ष की पहली तिमाही में सिर्फ एक को छोड़कर अमेरिका के लिए बाकी सभी भारतीय कंपनियों का निर्यात शून्य रहा। सोलर पैनल्स पर ट्रंप प्रशासन ने 230 फीसदी टैरिफ लगा रखा है, जबकि भारतीय सौर उद्योग का अमेरिका प्रमुख बाजार है। तो सार यह कि जहां मोबाइल फोन उद्योग आयात निर्भरता के कारण पैदा हुई चुनौती झेल रहा है, वहीं सौर ऊर्जा उद्योग निर्यात निर्भरता संबंधी।तो सबक क्या है? सफल औद्योगिक राष्ट्र वे रहे हैं, जिन्होंने जिस उत्पाद पर ध्यान केंद्रित किया, उसकी पूरी आपूर्ति श्रृंखला अपने यहां स्थापित की। इसीलिए इंडस्ट्रीयल पार्कों को इतनी अहमियत दी जाती है। साथ ही सफलता का एक सूत्र यह भी है कि उत्पादित वस्तुओं का एक बड़ा घरेलू बाजार हो, जो भू-राजनीतिक एवं व्यापार जनित संकटों के समय संबंधित उद्योग का सहारा बना रहे। भारत में उद्यम के जो सफल क्षेत्र हैं, अब साफ है कि उनमें इन पहलुओं की उपेक्षा की गई। उन्हें अर्थव्यवस्था के समग्र विकास की सोच से इतर स्थापित किया गया। अब उसकी कीमत चुकानी पड़ रही है।

दुर्घटना पीड़ितों के जीवन की सुरक्षा पर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती

कांतिलाल मांडोत

देश में हर साल लाखों लोग सड़क दुर्घटनाओं में घायल होते हैं और हजारों लोग समय पर इलाज नहीं मिलने के कारण अपनी जान गंवा देते हैं। कई मामलों में हादसे के बाद घायल व्यक्ति लंबे समय तक सड़क पर तड़पता रहता है क्योंकि आसपास मौजूद लोग पुलिस पूछताछ या कानूनी झंझट के डर से मदद करने से बचते हैं। कई बार एम्बुलेंस देर से पहुंचती है और अस्पतालों में समुचित ट्रॉमा सुविधा उपलब्ध नहीं होती। ऐसी गंभीर स्थिति को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अब सख्त रुख अपनाया है और सभी राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों को ट्रॉमा केयर व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने साफ कहा है कि दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तत्काल इलाज उपलब्ध कराना नागरिकों के मौलिक अधिकार से जुड़ा विषय है और इसे किसी भी हालत में नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

सुप्रीम कोर्ट की ओर से दिया गया यह फैसला देश की स्वास्थ्य और आपातकालीन सेवाओं की व्यवस्था में बड़ा बदलाव ला सकता है। अदालत ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रत्येक नागरिक को जीवन और गरिमा के साथ जीने का अधिकार मिला हुआ है और समय पर चिकित्सा सुविधा इस अधिकार का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यदि दुर्घटना के बाद घायल व्यक्ति को तुरंत उपचार नहीं मिलता तो यह उसके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन माना जाएगा। अदालत ने स्पष्ट किया कि केवल नीति बनाने से काम नहीं चलेगा बल्कि जमीनी स्तर पर उसका प्रभावी क्रियान्वयन भी जरूरी है।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा कि सड़क दुर्घटना के बाद शुरुआती समय जिसे गोल्डन ऑवर कहा जाता है सबसे अधिक महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान सही इलाज मिल जाए तो घायल व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। लेकिन देश के कई हिस्सों में दुर्घटना के बाद अस्पताल पहुंचने में काफी समय लग जाता है। कहीं एम्बुलेंस समय पर नहीं पहुंचती तो कहीं ट्रॉमा सेंटर दूर होने के कारण मरीज रास्ते में ही

दम तोड़ देता है। अदालत ने माना कि यह स्थिति बेहद चिंताजनक है और इसमें तत्काल सुधार की जरूरत है।

इसी कारण सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि अलग अलग इमरजेंसी नंबरों के बजाय पूरे देश में एकीकृत हेल्पलाइन नंबर 112 को प्रभावी रूप से लागू किया जाए। अभी कई जगह 100 101 102 108 1033 और 1091 जैसे अलग अलग नंबर मौजूद हैं जिससे लोगों में भ्रम की स्थिति बनी रहती है। अदालत का मानना है कि एक ही हेल्पलाइन नंबर होने से आपातकालीन सेवाओं तक पहुंच आसान होगी और मदद जल्दी मिल सकेगी। राज्यों को इसके लिए तीन महीने की समय सीमा दी गई है।

अदालत ने केवल हेल्पलाइन व्यवस्था तक ही अपने निर्देश सीमित नहीं रखे बल्कि ट्रॉमा केयर के पूरे ढांचे को मजबूत बनाने पर जोर दिया है। कोर्ट ने कहा कि केवल नेशनल हाईवे पर ही नहीं बल्कि स्टेट हाईवे प्रमुख जिला सड़कों शहरी और अर्ध शहरी क्षेत्रों में भी ट्रॉमा सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए। इसके लिए अस्पतालों को पहले से चिह्नित किया जाए ताकि दुर्घटना के समय घायल व्यक्ति को तुरंत नजदीकी सक्षम अस्पताल पहुंचाया जा सके। इससे इलाज में देरी कम होगी और जान बचाने की संभावना बढ़ेगी।

सुप्रीम कोर्ट ने मददगार लोगों की सुरक्षा को भी अत्यंत महत्वपूर्ण माना है। अदालत ने कहा कि कई बार लोग घायल व्यक्ति की सहायता इसलिए नहीं करते क्योंकि उन्हें पुलिस की पूछताछ गवाह बनने या कानूनी परेशानियों का डर रहता है। इस डर के कारण कई लोग चाहकर भी मदद नहीं कर पाते। अदालत ने राज्यों को निर्देश दिया कि गुड समेरिटन यानी नेक मददगार कानूनों को प्रभावी तरीके से लागू किया जाए और ऐसा माहौल बनाया जाए जिसमें लोग बिना किसी भय के आगे आकर घायलों की मदद कर सकें। अदालत ने राज्य और जिला स्तर पर शिकायत निवारण तंत्र बनाने को भी कहा है ताकि यदि किसी मददगार को परेशान किया जाए तो उसकी शिकायत तुरंत सुनी जा सके।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की कई योजनाओं और नीतियों का उल्लेख करते हुए कहा कि कागजों पर अच्छी व्यवस्था मौजूद है लेकिन राज्यों में उनका सही तरीके से पालन नहीं हो रहा। अदालत ने प्रधानमंत्री राहत योजना राह वीर योजना राष्ट्रीय एम्बुलेंस संहिता और इमरजेंसी रिस्पॉन्स सपोर्ट सिस्टम जैसी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इनके बावजूद जमीन पर स्थिति संतोषजनक नहीं है। कहीं एम्बुलेंस में जरूरी उपकरण नहीं हैं तो कहीं ट्रॉमा सेंटरों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी है। यही कारण है कि पूरे देश में एक समान और जवाबदेह व्यवस्था विकसित करने की आवश्यकता है।

अदालत ने एम्बुलेंस सेवाओं को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने कहा कि सभी एम्बुलेंस में जीपीएस ट्रैकिंग रियल टाइम मॉनिटरिंग हेल्पलाइन 112 से सीधा जुड़ाव और आवश्यक चिकित्सा उपकरण अनिवार्य रूप से होने चाहिए। इसके साथ ही प्रतिक्रिया समय का नियमित ऑडिट किया जाए ताकि यह पता लगाया जा सके कि एम्बुलेंस कितनी तेजी से घटनास्थल तक पहुंच रही हैं। अदालत का मानना है कि तकनीक का बेहतर उपयोग करके आपातकालीन सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

ट्रॉमा रजिस्ट्रियों के निर्माण पर भी सुप्रीम कोर्ट ने विशेष ध्यान दिया है। अदालत ने स्वास्थ्य मंत्रालय को निर्देश दिया है कि वह ट्रॉमा मामलों के डेटा संग्रहण के लिए दिशा निर्देश जारी करे। इसके बाद सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को अपनी ट्रॉमा रजिस्ट्रियां स्थापित करनी होंगी। इससे यह जानकारी उपलब्ध होगी कि किन क्षेत्रों में सबसे अधिक दुर्घटनाएं हो रही हैं और किन स्थानों पर ट्रॉमा सुविधाओं की कमी है। इस डेटा के आधार पर भविष्य की नीतियां अधिक प्रभावी बनाई जा सकेंगी।

सुप्रीम कोर्ट ने दुर्घटना पीड़ितों के लिए नकद रहित उपचार व्यवस्था लागू करने पर भी जोर दिया है। अदालत ने कहा कि कई बार गरीब और मध्यम वर्गीय परिवार अस्पताल का खर्च तुरंत नहीं उठा पाते जिससे इलाज में देरी होती है। इसलिए पीएम राहत जैसी नकद रहित उपचार योजनाओं को सभी राज्यों में लागू किया जाए ताकि दुर्घटना के बाद बिना पैसों की चिंता किए तुरंत इलाज शुरू हो सके। राज्यों को अस्पतालों और भुगतान प्रबंधन प्रणाली को भी तय करने का निर्देश दिया गया है।

(चिंतन-मनन) समानता का संदेश

पैगंबर मोहम्मद साहब ने मक्का विजय के बाद एक नीग्रो गुलाम बिलाल को पवित्र काबा की छत पर चढ़कर नमाज के लिए अजान देने का हुक्म दिया। बिलाल ने कुछ ही समय पहले इस्लाम अपनाया था। जब वह पवित्र काबा की छत पर चढ़ा तो कुछ कुलीन अरब नागरिक चिल्लाकर बोले, ओह! बुरा हो उसका, वह काला हब्शी अजान के लिए पाक काबा की छत पर चढ़ गया।

अश्वेतों के प्रति यह पूर्वाग्रह देख पैगंबर मोहम्मद साहब परेशान हो गए। उन्होंने कहा, ऐ लोगो! यह याद रखो कि सारी मानव जाति केवल दो श्रेणियों में बंटी है। पहली धर्मनिष्ठ, खुदा से डरने वाली, जो खुदा की दृष्टि में सम्मानित है। दूसरी जो उल्लंघनकारी, अत्याचारी, अपराधी, निर्दयी और कठोर है, जो खुदा की नजर में गिरी हुई है। संसार के सभी लोग एक ही आदमी की औलाद हैं।अल्लाह ने आदम को मिट्टी से पैदा किया था। इसकी सत्यता का प्रमाण पवित्र कुरआन में इन शब्दों में दिया गया है ऐ लोगो! हमने तुमको एक मर्द और एक औरत से पैदा किया और तुम्हारी विभिन्न जातियां और वंश बनाए, ताकि तुम एक दूसरे को पहचानो। असल में अल्लाह की निगाह में तुममें सबसे अधिक सम्मानित वह है, जो अल्लाह से सबसे ज्यादा डरने वाला है। अल्लाह पूरी तरह खबर रखने वाला है।मोहम्मद साहब ने अपने अनुयायियों को हमेशा रूप-रंग, जाति-नस्ल, ऊंच-नीच या किसी भी किस्म के भेदभाव से दूर रहने को कहा। इन उपदेशों से अरब प्रभावित हुए और उन्होंने उनका पूरी तरह पालन किया। उन्होंने इस्लाम अपनाने वाले गुलाम नीग्रो लोगों से अपनी बेटियां ब्याह कर उनसे सम्मानजनक संबंध बनाए।

वीआईपी अपराधियों के लिए जेल मानो होटल?

रजनीश कपूर

सवाल है कि पैरोल का सिलसिला कानून है या विशेषाधिकार? हरियाणा गुड कंडक्ट प्रिजनर्स एक्ट के तहत कैदियों को पैरोल और फरलो का प्रावधान है। इस कानून के अनुसार, एक साल की सजा पूरी करने के बाद कोई भी कैदी प्रति वर्ष 10 सप्ताह की पैरोल और 21 दिन की फरलो का हकदार है। राम रहीम को 2020 से 2026 तक 16 बार से ज्यादा पैरोल/फरलो मिल चुकी है। कुल मिलाकर 430 से अधिक दिन वे जेल से बाहर रहे।

भारत में कानून की समानता का सिद्धांत संविधान का मूल आधार है। अनुच्छेद 14 कहता है कि कानून के समक्ष सब समान हैं। लेकिन वास्तविकता अक्सर इसके उलट दिखती है। बलात्कार और हत्या के मामलों में सज़ा काट रहे डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह का मामला इसका स्पष्ट उदाहरण है। रोहतक की सुनारिया जेल, जहां वे बंद हैं, उनके लिए लगभग होटल जैसी सुविधाओं का केंद्र बन गई है, जबकि आम कैदी कठिन परिस्थितियों में सजा काटते हैं।

उल्लेखनीय है कि 2017 में दो साध्वियों के साथ बलात्कार के मामले में 20 वर्ष की सजा पाने के बाद राम रहीम रोहतक जेल में बंद हैं। बाद में पत्रकार रामचंद्र छत्रपति और रंजीत सिंह हत्याकांड में आजीवन कारावास भी मिला। जेल में उनके लिए विशेष सेल, बोतलबंद पानी, सहायक कर्मी और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं। एक पूर्व कैदी ने आरोप लगाया था कि राम रहीम को अन्य कैदियों से ज्यादा समय मुलाकात के लिए मिलता है। जबकि सामान्य कैदियों को मात्र 20 मिनट मिलते हैं, वहीं राम रहीम को घंटों की छूट दी जाती रही।

जेल प्रशासन ने इन आरोपों से इनकार किया, लेकिन राम रहीम को बार-बार मिलने वाली पैरोल और फरलो ने संदेह बढ़ाया है। रोहतक जेल में उनका रहना आम कैदियों के लिए कठिनाइयों के बीच विपरीत तस्वीर पेश करता है। जहां सामान्य कैदी भीड़भाड़, सीमित संसाधनों और सख्त नियमों में रहते हैं, वहीं राम रहीम को लगातार रिहाई और आरामदायक व्यवस्था मिलती रही।

ऐसे में सवाल उठता है कि पैरोल का सिलसिला कानून है या विशेषाधिकार हरियाणा गुड कंडक्ट प्रिजनर्स एक्ट के तहत कैदियों को पैरोल और फरलो का प्रावधान है। इस कानून के अनुसार, एक साल की सजा पूरी करने के बाद कोई भी कैदी प्रति वर्ष 10 सप्ताह की पैरोल और 21 दिन की फरलो का हकदार है। फरलो को कैदी का अधिकार माना जाता है, जो सामाजिक और पारिवारिक संबंध बनाए रखने के लिए दी जाती है, जबकि पैरोल के लिए विशिष्ट कारणों की आवश्यकता होती है। लेकिन राम रहीम के मामले में इसका दुरुपयोग स्पष्ट दिखता है। 2020 से 2026 तक उन्हें 16 बार से ज्यादा पैरोल/फरलो मिल चुकी है। कुल मिलाकर 430 से अधिक दिन वे जेल से बाहर रहे। मई 2026 में मिली 30 दिन की पैरोल पर वे जेल से बाहर निकले और सिरसा डेरे पहुंचे। यह उनकी 2026 की दूसरी पैरोल थी।

कथित तौर पर ये रिहाइयां अक्सर बिना किसी ठोस कारण के दी गई हैं। क्योंकि ये रिहाइयां अक्सर चुनावों, धार्मिक कार्यक्रमों या त्योहारों के आसपास दी गईं। 2022 पंजाब, 2023 राजस्थान, 2024 हरियाणा चुनावों से पहले भी ऐसी छूट मिली। डेरे के लाखों अनुयायी एक बड़ा वोट बैंक हैं, जिसका राजनीतिक फायदा उठाने के आरोप लगते रहे।बलात्कार और हत्या के अपराधी राम रहीम की बार-बार रिहाई पीड़ित परिवारों के लिए अपमानजनक है। 2017 में सजा के बाद हुए दंगे में 40 लोगों की मौत हुई थी। गवाहों पर दबाव पड़ने की आशंका बनी रहती है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक समिति समेत कई संगठन इन पैरोलों की निंदा करते हैं। पत्रकार अंशुल छत्रपति ने इसे कानून का मजाक बताया। आम कैदियों के लिए पैरोल मिलना मुश्किल होता है। हरियाणा के आंकड़ों के अनुसार, जेलों में हजारों कैदी हैं, लेकिन सीमित संख्या को ही ऐसी छूट मिलती है। ऐसे में ये कहना ग़लत नहीं होगा कि राम रहीम को मिलने वाली लगातार रिहाइयां अन्य कैदियों में असंतोष पैदा करती हैं। गौरतलब है कि रोहतक की सुनारिया जेल सामान्य रूप से क्षमता से अधिक भरी रहती है। कैदियों को बुनियादी सुविधाएं भी मुश्किल से मिलती हैं। लेकिन राम रहीम के लिए यहां विशेष इंतजाम किए जाते रहे। आरामदायक रहन-सहन, बेहतर भोजन और लगातार बाहर जाने की छूट। यह जेल उनके लिए सजा की जगह आरामगाह बन गई है।

आज का राशिफल

मेष राशि: मेष राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आपको घर के बड़ों से कुछ प्रेरणा मिलेगी। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे, वो सफल होगा। आज आपका स्वास्थ्य पहले से उत्तम रहेगा। रिश्तेदार आज आपको बिजनेस को बढ़ाने के लिए सुझाव देंगे। समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। बड़े बुजुर्ग आपके व्यवहार से प्रसन्न रहेंगे, लोग आपकी तारीफ करेंगे।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज पूरा दिन खुद को तरोताजा महसूस करेंगे। आपके आस पास सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी। लोग आपके व्यवहार से खुश रहेंगे। आप किसी बड़े बिजनेस ग्रुप से पार्टनरशिप करने पर विचार करेंगे। आज आपको उम्मीद से ज्यादा धन लाभ होने वाला है।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिये अच्छे परिणाम लाने वाला होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलने के योग बने हुए हैं, लेकिन पढ़ाई में और मेहनत करने की जरूरत है। आज घरवालों के साथ अच्छा समय बिताने को मिलेगा, जिससे परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। ऑफिस में सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा। जूनियर आपसे काम सीखना चाहेंगे। लवमेट के साथ रिश्तों में सुधार आयेगा।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज आपका दिन सामान्य रहने वाला है। आज पैसों के लेन देन में सावधानी बरतें। नौकरी कर रहे लोगों को आज अपना काम पूरा करने के लिए थोड़ा अधिक मेहनत करने की जरूरत है। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षा का बेहतर परिणाम मिलेगा। स्वास्थ्य के लिहाज से आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज पूरे दिन भाग्य आपके साथ रहेगा। आज किसी अनजान व्यक्ति के सहयोग से आपका मन प्रसन्न रहेगा। लवमेट आज अपने रिश्ते के बारे में घरवालों को बताएंगे, घरवाले इस पर विचार भी करेंगे। इस राशि के कैमिस्ट शॉप वाले लोगों को अच्छा मुनाफा होगा।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आपको सरकारी कामों में कुछ लोगों से राय मिलेगी, जिससे आपका काम आसान हो जायेगा। आपका पुराना दोस्त आपको फोन कर के सरप्राइज देगा। आपकी किसी जरूरी बात पर घर वाले सहमति जतायेंगे।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज का दिन मिली जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आप सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेंगे। घर पर ही परिवारवालों के साथ धार्मिक कार्यों का आयोजन करेंगे। आज आपकी तरक्की के कई रास्ते खुलेंगे। ऑफिस के काम को थोड़ा संभलकर करने की जरूरत है। आपके काम की शिकायत हो सकती है।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज आपको किसी अपने से अच्छी खबर मिलने के योग बने हुए हैं। आज आप अपने घरेलू कार्यों को पूरा करने में सफल होंगे। आज आपके सकारात्मक रवैये से जीवनसाथी प्रसन्न रहेंगे। जीवनसाथी के साथ किसी धार्मिक स्थल पर दर्शन करने जायेंगे। मार्केटिंग की जॉब कर रहे लोगों से आज अच्छा क्लाइंट जुड़ेगा, जो भविष्य में अच्छा धन लाभ कराएगा।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन जीवन में मील का पत्थर साबित होगा। आज व्यापार में किसी ऐसी कंपनी के साथ डील फाइनल होगी, जो आपको उम्मीद से अधिक फायदा करायेगी। वकीलों के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, नया केस हाथ लगेगा। दाम्पत्य जीवन में खुशहाली आएगी। जीवनसाथी के साथ अच्छी मूवी देखने का मन बनायेंगे।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज आपका दिन ठीक ठाक रहने वाला है। आज आपको किसी भी प्रकार के विवादों से दूर रहने की आवश्यकता है। आज बिना सोचे समझे किसी अजनबी पर भरोसा ना करें। इस राशि के छात्रों को आज ज्यादा मेहनत करनी पड़ेगी। किसी विषय को समझने में आपको अपने सहपाठियों से सहयोग मिलेगा।

कुंभ राशि:कुंभ राशि वालों आज आपके हर परेशानी का हल चुटकियों में निकल जायेगा। ऑफिस में आप किसी प्रोजेक्ट के लिये अपनी बेहतरीन राय देंगे। बॉस आपके काम की तारीफ करेंगे। आज आप लेखन कार्यों में रुचि लेंगे। आपका लेखन और अच्छा होगा। आज आपकी बातें दूसरों पर प्रभाव डालेंगी।

मीन राशि: मीन राशि वालों आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। बड़े निर्णय लेने के लिए दिन अच्छा है। किसी नयी बिजनेस डील के लिए ऑफर मिलेगा। आप जीवनसाथी के साथ घर के कार्यों को पूरा करने में व्यस्त रहेंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहे छात्रों के लिए दिन अच्छा है।

सिस्टम': न्याय, सत्ता और संवेदनाओं के बीच की बेचैनी

पंकज दुबे

भारतीय सिनेमा में अदालतों और न्याय व्यवस्था पर आधारित फ़िल्में हमेशा से दर्शकों को आकर्षित करती रही हैं। ऐसी फ़िल्मों की सबसे बड़ी चुनौती यह होती है कि वे केवल कानूनी बहसों तक सीमित न रह जाएं, बल्कि इंसानी भावनाओं, सामाजिक यथार्थ और सत्ता की जटिलताओं को भी अपने भीतर समेट सकें। अश्विनी अय्यर तिवारी द्वारा निर्देशित नई हिंदी फ़िल्म 'सिस्टम' इसी चुनौती को स्वीकार करती है। आज के सिने-सोहबत में इसी फ़िल्म पर चर्चा करते हैं। 'सिस्टम' केवल एक कोर्टरूम ड्रामा नहीं है, बल्कि उस व्यवस्था की पड़ताल है जिसमें सच, शक्ति और विशेषाधिकार अक्सर एक-दूसरे से टकराते दिखाई देते हैं। फ़िल्म में सोनाक्षी सिन्हा और ज्योतिका मुख्य भूमिकाओं में हैं, जबकि आशुतोष गोवारिकर जैसे अनुभवी कलाकार कहानी को अतिरिक्त वजन देते हैं।

'सिस्टम' की कहानी दो महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है। एक ओर है नेहा राजवंश, जो विशेषाधिकार प्राप्त दुनिया से आने वाली सरकारी वकील है, और दूसरी ओर है सारिका रावत, जो अदालत की दुनिया में अपेक्षाकृत निचले पायदान पर खड़ी एक स्टेनोग्राफर है। दोनों अलग-अलग सामाजिक पृष्ठभूमियों से आती हैं, लेकिन न्याय व्यवस्था के भीतर मौजूद असमानताओं और सत्ता के खेल से उनका सामना उन्हें एक साझा संघर्ष की ओर ले जाता है। फ़िल्म का मूल प्रश्न यही है कि क्या न्याय वास्तव में सबके लिए समान है, या फिर व्यवस्था केवल शक्तिशाली लोगों के पक्ष में काम करती है?

निर्देशक अश्विनी अय्यर तिवारी ने अपने करियर में अक्सर साधारण लोगों की असाधारण कहानियां कही हैं। 'निल बट्टे सन्नाटा', 'बरेली की बर्फी' और 'पंगा' जैसी फ़िल्मों में उन्होंने छोटे शहरों, पारिवारिक रिश्तों और व्यक्तिगत संघर्षों को बड़ी संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत किया था। 'सिस्टम' में वह पहली बार अपेक्षाकृत गहरे और गंभीर कोर्टरूम स्पेस में प्रवेश करती हैं। यह बदलाव दिलचस्प है क्योंकि यहां उनका परिचित मानवीय दृष्टिकोण तो मौजूद है, लेकिन उसके साथ एक राजनीतिक और संस्थागत आलोचना भी जुड़ जाती है।

फ़िल्म का सबसे मजबूत पक्ष इसका वातावरण है। अदालत की कार्यवाही, कानूनी प्रक्रियाएं और उनके पीछे छिपी शक्ति संरचनाएं काफी विश्वसनीय लगती हैं। कैमरा अक्सर पात्रों के चेहरों पर ठहरता है, जिससे उनके भीतर चल रहे संघर्ष दर्शकों तक पहुंचते हैं। कई दृश्यों में संवादों से अधिक मौन काम करता है। अश्विनी अय्यर तिवारी यहां शोर मचाने वाली फ़िल्म नहीं बनातीं; वह दर्शकों को धीरे-धीरे उस दुनिया में ले जाती हैं जहां सच और झूठ के बीच की रेखा धुंधली होती जाती है।

सोनाक्षी सिन्हा ने नेहा राजवंश के किरदार में अपने करियर के सबसे परिपक्व अभिनय में से एक दिया है। यह किरदार केवल एक वकील का नहीं, बल्कि उस व्यक्ति का है जो अपने विशेषाधिकारों और नैतिक जिम्मेदारियों के बीच फंसी हुई है। सोनाक्षी ने इस आंतरिक संघर्ष को बड़े संयम से निभाया है। कई जगह उनके चेहरे के भाव संवादों से अधिक प्रभाव पैदा करते हैं। पिछले कुछ वर्षों में 'दहाड़' जैसी परियोजनाओं में उन्होंने जिस गंभीर अभिनय क्षमता का परिचय दिया था, 'सिस्टम' उसे और आगे बढ़ाती है।

वहीं ज्योतिका फ़िल्म की भावनात्मक धुरी बनकर उभरती हैं। सारिका रावत के रूप में उनका प्रदर्शन अत्यंत स्वाभाविक और प्रभावशाली है। उनके किरदार में गुस्सा भी है, विवशता भी और आत्मसम्मान भी। ज्योतिका अपने अभिनय से यह महसूस करा देती हैं कि व्यवस्था के सबसे निचले स्तर पर खड़े लोग किस तरह रोज़ अन्याय का सामना करते हैं। कई दृश्यों में उनका अभिनय फ़िल्म को नई ऊंचाई देता है।

अशुतोष गोवारिकर का काम भी उल्लेखनीय है। उनका अनुभव स्क्रीन पर साफ़ दिखाई देता है। वह कहानी में स्थिरता और गंभीरता जोड़ते हैं। सहायक कलाकारों ने भी अपने हिस्से का काम ईमानदारी से किया है, जिससे फ़िल्म का संसार विश्वसनीय बनता है।

फ़िल्म का लेखन महत्वाकांक्षी है। यह केवल एक मुकदमे की कहानी नहीं कहना चाहता, बल्कि पूरे न्यायिक ढांचे पर टिप्पणी करना चाहता है। कई दृश्य ऐसे हैं जहां फ़िल्म महत्वपूर्ण सवाल उठाती है कि क्या कानून और न्याय एक ही चीज़ हैं? क्या सच हमेशा अदालत में जीतता है? क्या सामाजिक हैसियत फैसलों को प्रभावित करती है? इन प्रश्नों के कारण फ़िल्म विचारोत्तेजक बनती है।

हालांकि, यहीं फ़िल्म की कुछ कमजोरियां भी सामने आती हैं। कई बार ऐसा महसूस होता है कि फ़िल्म के पास अच्छे विचार तो हैं, लेकिन वह उन्हें पूरी गहराई तक विकसित नहीं कर पाती। कुछ उपकथाएं अधूरी लगती हैं और कुछ महत्वपूर्ण संघर्ष सतही स्तर पर ही रह जाते हैं। कोर्टरूम ड्रामा के रूप में फ़िल्म कई बार उतनी तीखी नहीं बन पाती जितनी उसकी विषयवस्तु मांग करती है।फ़िल्म का दूसरा भाग विशेष रूप से मिश्रित प्रभाव छोड़ता है। शुरुआती हिस्से में जो रहस्य और तनाव निर्मित होता है, वह बाद में थोड़ी गति खो देता है। कुछ दृश्य अनावश्यक रूप से लंबे महसूस होते हैं। दर्शकों को यह भी लग सकता है कि फ़िल्म अपने सबसे साहसी राजनीतिक निष्कर्षों तक पहुंचने से पहले ही रुक जाती है। व्यवस्था की आलोचना मौजूद है, लेकिन वह कई बार सुरक्षित दायरे में रहती है।तकनीकी पक्ष की बात करें तो फ़िल्म का कैमरावर्क काफ़ी प्रभावशाली है। अदालतों के बंद कमरों, गलियारों और वेटिंग क्षेत्र को जिस तरह फिल्माया गया है, वह कहानी के दबाव और घुटन को महसूस कराता है। बैकग्राउंड स्कोर भी संयमित है। संगीत कभी भी कहानी पर हावी नहीं होता, बल्कि उसके भावनात्मक स्वर को मजबूत करता है।'सिस्टम' की एक और विशेषता इसकी महिला दृष्टि है। यह फ़िल्म महिलाओं को केवल पीड़ित या आदर्शवादी पात्रों के रूप में नहीं दिखाती।

सुप्रीम कोर्ट को पांच नए जज मिले, राष्ट्रपति ने नियुक्ति पर लगाई मुहर

नई दिल्ली,(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट में पांच नए न्यायाधीश नियुक्त किए गए हैं। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत की अगुवाई वाले कॉलेजियम ने हाल ही पांच नामों की सिफारिश राष्ट्रपति को भेजी थी। इनमें चार अलग-अलग हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शामिल हैं, जबकि एक वरिष्ठ अधिवक्ता का नाम भी सूची में शामिल है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने इन नियुक्तियों को मंजूरी दे दी है। इसकी जानकारी केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने दी। अर्जुन राम मेघवाल ने एक्स पर लिखा, भारत के संविधान के अनुच्छेद 124 के खंड (2) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति ने भारत के मुख्य न्यायाधीश से परामर्श के बाद न्यायमूर्ति शील नागू (पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट), न्यायमूर्ति चंद्रशेखर (बॉम्बे हाईकोर्ट), न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा (मध्य प्रदेश हाईकोर्ट), न्यायमूर्ति अरुण पल्ली (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट) तथा वरिष्ठ अधिवक्ता वी. सुब्रमणि मोहना को सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया है। मैं सभी को शुभकामनाएं देता हूं।वी. सुब्रमणि मोहना उन चुनिंदा लोगों में शामिल हैं, जिन्होंने वकालत से सीधे सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश बनने तक का सफर तय किया है। वह ऐसे परिवार में जन्मीं, जिसका कानून के पेशे से कोई संबंध नहीं था। वर्ष 1983 में जब भारत में पहली बार पांच वर्षीय एकीकृत विधि पाठ्यक्रम शुरू किया गया, तब उन्होंने कोयंबटूर के गवर्नमेंट लॉ कॉलेज के पहले बैच में प्रवेश लिया था। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 5 मई को सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। सरकार संसद के अगले सत्र में इससे संबंधित विधेयक पेश करेगी। मंत्रिमंडल की मंजूरी के बाद वर्ष 1956 के संबंधित कानून में संशोधन किया जाएगा। संविधान के अनुच्छेद 124(1) के तहत सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने का अधिकार संसद के पास है। कानून लागू होने के बाद रिक्त पदों को भरने के लिए कॉलेजियम नए नामों की सिफारिश कर सकेगा।

दरियादिली जान पर पड़ी भारी! बच्ची की जान बचाने नदी में कूदे 5 लोग, बच्ची की जान बची... लेकिन पांचों डूबे

कुरनूल, (आरएनएस)। आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में इंसानियत और बहादुरी की एक दर्दनाक मिसाल देखने को मिली। तुंगभद्रा नदी में फिसलकर गिरी एक नाबालिग लड़की को बचाने के लिए पांच लोगों ने अपनी जान की परवाह किए बिना नदी में छलांग लगा दी। बच्ची को तो सुरक्षित बचा लिया गया, लेकिन उसे बचाने वाले पांचों लोग तेज बहाव में बह गए। पुलिस के अनुसार, सभी के डूबने की आशंका है और उनकी तलाश जारी है। जानकारी के मुताबिक, शनिवार शाम करीब 4:30 बजे मंत्रालयम क्षेत्र में तुंगभद्रा नदी के किनारे यह हादसा हुआ। एक नाबालिग लड़की नदी किनारे पैर धो रही थी, तभी उसका संतुलन बिगड़ गया और वह फिसलकर नदी में गिर गई। कुछ ही पलों में वह तेज धारा में बहने लगी।लड़की को बहता देख वहां मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। उसकी जान बचाने के लिए पहले एक व्यक्ति नदी में कूदा, फिर दूसरा और देखते ही देखते कुल पांच लोग बचाव के लिए पानी में उतर गए। काफी प्रयासों के बाद बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, लेकिन इस दौरान तेज बहाव में पांचों लोग लापता हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासन मौके पर पहुंच गया। आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग नदी किनारे जमा हो गए। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। जिस बच्ची की जान बचाने के लिए लोगों ने अपनी जान जोखिम में डाली, वह तो सुरक्षित है, लेकिन पांच परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

पुलिस ने बताया कि लापता लोग आसपास के गांवों के निवासी थे। उनकी तलाश के लिए स्थ्रक्र्न और अन्य बचाव दलों की मदद से सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। प्रशासन पूरे घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है।

मुख्यमंत्री का कड़ा संदेश : जनता से अशिष्ट व्यवहार पर जीरो टॉलरेंस, दुर्ग जनपद सीईओ निलंबित

रायपुर,(आरएनएस)। सुशासन तिहार 2026 के तहत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में आम जनता से अशिष्ट व्यवहार और कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गंभीरता से लेते हुए जनपद पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रूपेश कुमार पाण्डेय को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दुर्ग संभागायुक्त को दिए थे। मुख्यमंत्री श्री साय के निर्देशों के परिपालन में कमिश्नर दुर्ग ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत दुर्ग, रूपेश कुमार पाण्डेय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।संभागायुक्त दुर्ग द्वारा जारी निलंबन आदेश में उल्लेखित है कि कलेक्टर दुर्ग से प्राप्त प्रस्ताव एवं ग्राम थनौद में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में श्री पाण्डेय द्वारा आम जनता से अशिष्ट व्यवहार संबंधी वीडियो क्लिप के अवलोकन से प्रथम दृष्टया यह स्पष्ट हुआ कि उन्होंने शासन द्वारा आयोजित सुशासन तिहार एवं शिविर में कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही तथा अशिष्टतापूर्ण व्यवहार किया।

रोकी गई केदारनाथ यात्रा, बद्रीनाथ मार्ग पर भी संकट, भारी बारिश के कारण रास्ते में फंसे यात्री

देहरादून, (आरएनएस)। उत्तराखंड में लगातार हो रही भारी बारिश ने चारधाम यात्रा पर असर डालना शुरू कर दिया है। खराब मौसम, भूस्खलन और सड़कों पर बढ़ते खतरे को देखते हुए प्रशासन ने एहतियातन केदारनाथ यात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया है। वहीं बद्रीनाथ हाईवे पर भी हजारों श्रद्धालु घंटों तक जाम में फंसे रहे, जिससे यात्रा व्यवस्था पर दबाव बढ़ गया है।

रुद्रप्रयाग प्रशासन ने बताया कि मौसम विभाग द्वारा जारी ऑरेंज अलर्ट के मद्देनजर श्रद्धालुओं की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी कारण केदारनाथ धाम की यात्रा फिलहाल अगले आदेश तक स्थगित कर दी गई है। पुलिस और प्रशासन ने यात्रियों से सहयोग की अपील करते हुए सुरक्षित स्थानों पर रुकने की सलाह दी है।

प्रशासन की ओर से जारी एडवाइजरी में कहा गया है कि भारी बारिश और भूस्खलन की आशंका को देखते हुए यात्रा पर अस्थायी रोक लगाई गई है। किसी भी आपात स्थिति में श्रद्धालु हेल्पलाइन नंबर 8958757335, 8218326386 अथवा डायल-112 पर संपर्क कर सकते हैं।

उधर, चमोली जिले में जोशीमठ के पास बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग (NH-7) पर भीषण जाम की स्थिति बनी हुई है। वाहनों की लंबी कतारों के चलते यात्री परेशान हैं। प्रशासन ने यातायात को नियंत्रित करने के लिए विशेष व्यवस्था लागू की है और 30-30 मिनट के अंतराल पर एकतरफा ट्रैफिक संचालन शुरू किया गया है। चमोली के पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार के अनुसार, प्रतिदिन 30 से 35 हजार श्रद्धालु बद्रीनाथ धाम और 5 से 10 हजार श्रद्धालु हेमकुंड साहिब की यात्रा कर रहे हैं। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के कारण सड़क नेटवर्क पर अत्यधिक दबाव पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि जोशीमठ-मारवाड़ी-विष्णुप्रयाग मार्ग का करीब 10 किलोमीटर हिस्सा अभी भी भू-धंसाव और खराब सड़क स्थिति से प्रभावित है। इसी वजह से यातायात प्रबंधन को चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में संचालित करना पड़ रहा है। एसपी पंवार ने कहा कि स्थिति को नियंत्रित रखने के लिए जोशीमठ के नरसिंह मंदिर के पास विशेष गेट सिस्टम लागू किया गया है, जिसके तहत वाहनों को चरणबद्ध तरीके से आगे बढ़ने की अनुमति दी जा रही है।

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर भयानक हादसा, कंटेनर से टकराई कार, तीन की मौत, गाड़ी काटकर निकाले शव

आगरा ,(आरएनएस)। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक भीषण सड़क हादसे ने तीन परिवारों की खुशियां छीन लीं। बिहार से राजस्थान जा रही एक तेज रफ्तार कार आगे चल रहे कंटेनर में पीछे से जा टकराई। टक्कर इतनी भयावह थी कि कार का अगला हिस्सा कंटेनर के भीतर तक घुस गया और वाहन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।प्राप्त जानकारी के अनुसार,

हादसा रविवार रात करीब 1:45 बजे आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 36+950 पर हुआ। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि लंबी यात्रा के दौरान चालक को झपकी आ गई, जिसके चलते कार अनियंत्रित होकर कंटेनर से जा भिड़ी।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, टक्कर की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास मौजूद लोग दहल उठे। कार की कंडक्टर साइड पूरी तरह चकनाचूर हो गई और वाहन कंटेनर में फंस गया।कार चला रहे मोहम्मद सोएव अपने साथियों के साथ राजस्थान के चुरू जिले की ओर जा रहे थे। वाहन में कुल आठ लोग सवार थे। हादसे में शंकर कुमार और सुनील कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल प्रीति ने भी दम तोड़ दिया।बताया जा रहा है कि मृतक शंकर कुमार और सुनील कुमार आपस में रिश्तेदार थे और परिवार के अन्य सदस्य भी कार में मौजूद थे। हादसे की खबर मिलते ही परिवारों में कोहराम मच गया।

जेई एडवांस 2026 रिजल्ट : दिल्ली जोन के शुभम कुमार बने ऑल इंडिया टॉपर, दूसरे नंबर पर कबीर छिल्लर

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। आईआईटी रुड़की ने रविवार रात को संयुक्त प्रवेश परीक्षा (JEE) एडवांस्ड के रिजल्ट घोषित कर दिए। इस साल आईआईटी दिल्ली जोन के शुभम कुमार ने परीक्षा में टॉप किया है। उम्मीदवार आधिकारिक वेबसाइट jeeadv.ac.in पर अपना स्कोरकार्ड देख सकते हैं।

JEE Advanced 2026 के नतीजों में IIT दिल्ली जोन के छात्रों का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला है। परीक्षा में शुभम कुमार ने 360 में से 330 अंक हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया। वहीं, कबीर छिल्लर 329 अंकों के साथ दूसरे और जतिन चाहर 319 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। खास बात यह है कि शीर्ष तीनों अभ्यर्थी IIT दिल्ली जोन से हैं। महिला अभ्यर्थियों में आरोही देशपांडे ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कॉमन रैंक लिस्ट (CRL) में 77वीं रैंक हासिल की। उन्होंने परीक्षा में 360 में से 280 अंक प्राप्त किए और टॉप महिला उम्मीदवार बनीं।

जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम एडवांस्ड 2026 में कोटा ने एक बार फिर इतिहास रच दिया है। कोटा ने लगातार तीसरे साल ऑल इंडिया 1 रेंक प्राप्त कर कोटा कोचिंगों को गौरांवित किया है। ऑल इंडिया गर्ल्स टॉपर आरोही देशपांडे भी कोटा क्लासरूम से ही हैं। रिजल्ट के बाद कोटा में जश्न का माहौल है।जेईई एडवांस्ड में जेईई मेन में भी टॉप करने वाले और 100 परसेंटाइल स्कोर बनाने वाले बिहार के गया निवासी शुभम कुमार ने टॉप किया है। शुभम कुमार ने 360 में से 330 अंक प्राप्त किए है। ऑल इंडिया रैंक दो पर कोटा से ही कोचिंग कर रहे कबीर छिल्लर है, उन्होंने 360 में से 329 अंक प्राप्त किए हैं। दोनो ही टॉपर कोटा से कोचिंग कर रहे थे और अच्छे दोस्त भी हैं।इस साल जेईई एडवांस्ड परीक्षा 17 मई को आयोजित की गई थी। 1,79 लाख कैंडिडेट्स ने ये परीक्षा दी थी। परीक्षा दो शिफ्टों में आयोजित की गई थी। पेपर 1 सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक और पेपर 2 दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक आयोजित किया गया था। परिणामों के बारे में अधिक जानकारी के लिए, छात्र आईई एजुकेशन पोर्टल पर देख सकते हैं।

मियां-बीवी के विवाद में गृह मंत्रालय के नियमों का दुरुपयोग क्यों?, UP पुलिस पर भड़का हाईकोर्ट

इलाहाबाद, (आरएनएस)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश पुलिस और लखनऊ साइबर सेल की कार्यप्रणाली पर बेहद सख्त टिप्पणी की है। अदालत ने लखनऊ पुलिस को कड़ी फटकार लगाते हुए निर्देश दिया है कि वे एक पीड़ित महिला के ब्लॉक किए गए मोबाइल नंबर को तत्काल प्रभाव से बहाल (एक्टिवेट) करें। हाईकोर्ट ने पुलिस द्वारा की गई इस एकतरफा कार्रवाई को पूरी तरह से 'गैर-जिम्मेदाराना' करार दिया और साफ शब्दों में कहा कि राज्य की सरकारी एजेंसियों की लापरवाही या मनमर्जी के कारण देश के किसी भी आम नागरिक को इस तरह से प्रताड़ित और परेशान नहीं किया जा सकता।

प्रतिष्ठित लीगल न्यूज़ वेबसाइट 'बार एंड बेंच' के अनुसार, यह ऐतिहासिक आदेश जस्टिस जेजे मुनीर और जस्टिस तरुण सक्सेना की डिवीजन बेंच ने पीड़ित महिला द्वारा दायर की गई एक रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए जारी किया। मामले की गहराई से जांच करने पर माननीय अदालत ने पाया कि याचिकाकर्ता महिला और उसके पति के बीच पिछले कुछ समय से वैवाहिक विवाद (डोमेस्टिक डिस्प्यूट) चल रहा है। इसी आपसी अनबन और खुंदक के कारण पति ने अपनी पत्नी को परेशान करने की नीयत से साइबर सेल में एक झूठी शिकायत दर्ज कराई थी। लखनऊ पुलिस ने बिना किसी ठोस जांच-पड़ताल और जमीनी हकीकत जाने, आनन-फानन में महिला का मोबाइल नंबर ही ब्लॉक कर दिया, जिससे उसका संपर्क पूरी दुनिया से कट गया।सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने लखनऊ के साइबर सेल इंचार्ज द्वारा कोर्ट में दाखिल किए गए व्यक्तिगत हलफनामे (एफिडेविट) पर गहरी नाराजगी और असंतोष जाहिर किया।

पश्चिम बंगाल में मंत्रिमंडल का विस्तार, राज्यपाल ने 35 नए मंत्रियों को दिलाई शपथ

कोलकाता,(आरएनएस)। सोमवार को पश्चिम बंगाल मंत्रिमंडल में 35 नए मंत्रियों को शामिल किया गया। कोलकाता के लोक भवन में राज्यपाल आरएन रवि ने नए मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी उपस्थित रहे। सोमवार को 13 विधायकों ने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ

ली, जबकि 19 राज्य मंत्री और 3 राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाए गए हैं। कैबिनेट मंत्रियों में दीपक बर्मन, तपस रॉय, शंकर घोष, मनोज कुमार उरांव, अर्जुन सिंह, गौरी शंकर घोष, स्वपन दासगुप्ता, जगन्नाथ चट्टोपाध्याय, कल्याण चक्रवर्ती, अजय पोद्दार, शरद्वत मुखर्जी, दूध कुमार मंडल और अनुप कुमार दास शामिल हैं।राज्य मंत्रियों में जोएल मुर्मू, हरेकृष्ण बेरा, आनंदमय बर्मन, अशोक डिंडा, नदियार चंद बाउरी, विशाल लामा, शांतनु प्रमाणिक, मौमिता बिस्वास मिश्रा, उमेश रे, पूर्णिमा चक्रवर्ती, कौशिक चौधरी, भास्कर भट्टाचार्य, दिबाकर घरामी, अमिया किस्कू, कलिता माझी, गार्गी दास घोष, बिराज विश्वास, दीपंकर जना और सुमना सरकार को जगह मिली है।इसके अलावा, इंद्रनील खान, मालती राभा रॉय और राजेश महतो ने राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में शपथ ली।35 नए मंत्रियों के शपथ लेने के बाद राज्य मंत्रिमंडल में कुल मंत्रियों की संख्या बढ़कर 41 हो गई है। 9 मई को पश्चिम बंगाल में पहली बार भाजपा सरकार बनने के साथ छह मंत्रियों ने शपथ ली थी।

अभिषेक बनर्जी के बाद अब टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी पर जानलेवा हमला, सिर पर आई गंभीर चोट

कोलकाता ,(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद भड़की राजनीतिक हिंसा रुकने का नाम नहीं ले रही है। शनिवार को तृणमूल कांग्रेस (TMC) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले के ठीक एक दिन बाद, रविवार को लोकसभा में टीएमसी के मुख्य सचेतक और वरिष्ठ सांसद कल्याण बनर्जी पर जानलेवा हमला हुआ है। हुगली जिले के चंडीताला थाने के बाहर हुई इस भीषण हिंसक झड़प में कल्याण बनर्जी के सिर पर गंभीर चोट आई है। घटना के बाद इलाके में भारी तनाव है और सुरक्षा बलों को तैनात कर दिया गया है। यह पूरी घटना उस समय हुई जब टीएमसी समर्थक अपने गिरफ्तार पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की रिहाई की मांग को लेकर एक ज्ञापन सौंपने चंडीताला थाने पहुंचे थे। इसी दौरान वहां भाजपा कार्यकर्ता भी पहुंच गए और दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जब टीएमसी समर्थक प्रदर्शन कर रहे थे, तभी भाजपा कार्यकर्ताओं ने उग्र नारेबाजी शुरू कर दी और प्रदर्शनकारियों को 'चोर' कहना शुरू कर दिया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों ओर से पथराव और मारपीट शुरू हो गई। स्थिति को नियंत्रण में करने के लिए स्थानीय पुलिस के साथ-साथ केंद्रीय सुरक्षा बलों की भारी खेप को मोर्चा संभालना पड़ा।

हमले के तुरंत बाद सांसद कल्याण बनर्जी को अपने घायल सिर पर गीला रुमाल रखे हुए देखा गया, जिससे उनके जख्मी होने की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। इस बर्बर हमले पर कड़ा आक्रोश जताते हुए कल्याण बनर्जी ने कहा, मुझे जानबूझकर निशाना बनाया गया है। मैं आधिकारिक प्रतिनियुक्ति सौंपने के लिए थाने की ओर बढ़ रहा था, तभी मुझ पर यह हमला हुआ। यह उन लोगों पर बिना किसी उकसावे के किया गया हमला है, जो केवल अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करते हुए शांतिपूर्ण विरोध दर्ज करा रहे थे।पश्चिम बंगाल में चौबीस घंटे के भीतर टीएमसी के दो सबसे बड़े चेहरों को निशाना बनाया गया है। इससे ठीक एक दिन पहले यानी शनिवार को डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी पर सोनारपुर में जानलेवा हमला हुआ था। अभिषेक वहां चुनाव बाद हुई हिंसा के शिकार एक टीएमसी कार्यकर्ता के परिवार से मिलने पहुंचे थे। जैसे ही वह कार से उतरे, भीड़ ने 'चोर-चोर' के नारे लगाते हुए उनके काफिले पर अंडे और पत्थरों की बारिश कर दी। इतना ही नहीं, भीड़ में से कुछ लोगों ने सुरक्षा घेरा तोड़कर अभिषेक बनर्जी के साथ हाथापाई की और उन्हें थप्पड़-घूंसे भी मारे।

लुधियाना की फैक्ट्री में गैस लीक, बाप-बेटे समेत अब तक तीन मौत; कई मजदूर बेहोश

लुधियाना ,(आरएनएस)। पंजाब के लुधियाना में सोमवार तड़के हुए एक दर्दनाक औद्योगिक हादसे ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया। पाना-चाबी बनाने वाली एक फैक्ट्री में अचानक जहरीली गैस का रिसाव होने से वहां काम कर रहे मजदूरों में अफरा-तफरी मच गई। हादसे में पिता और पुत्र सहित तीन की दम घुटने से मौत हो गई, जबकि कई अन्य मजदूरों की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।घटना के बाद फैक्ट्री परिसर और आसपास के इलाके में दहशत का माहौल बन गया। मृतकों की पहचान मान सिंह और उनके पुत्र अमित के रूप में हुई है, जबकि तीसरे मृतक का नाम श्रीराम है। तीनों फैक्ट्री में कार्यरत थे और रोज की तरह सोमवार सुबह भी अपनी ड्यूटी पर पहुंचे थे।

नीतीश के सुशासन पर बड़ा धब्बा! कटिहार में नदी में उतरकर कंधे पर शव ले जाने को मजबूर हुए ग्रामीण- वीडियो वायरल

कटिहार (आरएनएस)। बिहार में बड़े-बड़े विकास और सुशासन के दावों की पोल खोलती हुई एक ऐसी शर्मनाक और विचलित कर देने वाली तस्वीर सामने आई है, जिसे देखकर किसी का भी कलेजा कांप उठे। जिले के फलका प्रखंड अंतर्गत मोरसंडा गांव में एक शख्स की मौत के बाद परिजनों और ग्रामीणों को शव का अंतिम संस्कार करने के लिए अपनी जान जोखिम में डालनी पड़ी। गांव में पुल न होने के कारण ग्रामीणों को मजबूरन मृतक की अर्थी को अपने कंधों पर उठाकर उफनती नदी के गहरे पानी के बीच से पैदल चलकर पार करना पड़ा। इस खौफनाक और लाचारी भरे मंजर का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने सरकारी सिस्टम को पूरी तरह कटघरे में खड़ा कर दिया है।

श्मशान घाट जाने के लिए कोई रास्ता नहीं, पानी के बीच से गुजरी अर्थी

मिली जानकारी के मुताबिक, मोरसंडा गांव के रहने वाले अरविंद मंडल की बीमारी के कारण मौत हो गई थी। हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार अंतिम संस्कार के लिए शव को श्मशान घाट ले जाना बेहद जरूरी था। लेकिन दिक्कत यह थी कि गांव और श्मशान घाट के बीच में 'कमला नदी' बहती है, जिस पर आज तक कोई पुल नहीं बनाया गया। अंततः ग्रामीणों और परिजनों ने भारी मन से हिम्मत जुटाई और कंधों पर अर्थी उठाकर नदी के गहरे पानी में उतर गए। बेहद सावधानी से पानी के बीच से गुजरते हुए लोगों ने शव को नदी के दूसरे किनारे पहुंचाया, जिसके बाद उनका अंतिम संस्कार किया जा सका।स्थानीय ग्रामीणों का गुस्सा सातवें आसमान पर है। उनका कहना है कि देश को आजाद हुए दशकों बीत गए, लेकिन इस गांव के लोग आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रहे हैं। नदी के दोनों तरफ एक बहुत बड़ी आबादी बसती है, जिन्हें हर छोटे-बड़े काम के लिए नदी पार करनी ही पड़ती है।

चचरी पुल ही एकमात्र सहारा

ग्रामीणों ने बताया कि क्षेत्र में सिर्फ एक निजी नाव चलती है, लेकिन उसमें क्षमता से अधिक लोगों को बैठाया जाता है (ओवरलोडिंग), जिससे कई बार हादसे होते-होते बचे हैं। इसी डर से लोग नाव पर बैठने से कतराते हैं। बाढ़ के दिनों में जब स्थिति बेहद भयावह हो जाती है, तो ग्रामीण अपनी जेब से पैसे मिलाकर बांस का 'चचरी पुल' बनाते हैं और जैसे-तैसे आवाजाही करते हैं।

सिर्फ विधानसभा में उठता रहा मुद्दा

इस पूरे अमानवीय मामले पर राजनीति भी गरमा गई है। क्षेत्र की कोढ़ा विधानसभा सीट से विधायक कविता पासवान ने इस पर सफाई देते हुए कहा कि वह इस पुल के निर्माण का मुद्दा पहले भी कई बार बिहार विधानसभा में उठा चुकी हैं। उन्होंने प्रशासनिक लाचारी का हवाला देते हुए बताया कि जिला स्तर पर कुछ तकनीकी और योजना संबंधी कारणों की वजह से पुल निर्माण का कार्य अटका हुआ था। हालांकि, वीडियो वायरल होने और चौतरफा फजीहत के बाद विधायक ने आश्वासन दिया है कि अब इस पुल को प्राथमिकता सूची में डालकर जल्द से जल्द निर्माण कार्य शुरू कराने की कोशिश की जाएगी।

भारतीय सेना प्रमुख के नाम पर फैलाया जा रहा फर्जी वीडियो, पाकिस्तानी प्रोपेगेंडा का हुआ भंडाफोड़

नई दिल्ली, (आरएनएस)। पाकिस्तानी प्रोपेगेंडा सोशल मीडिया अकाउंट्स द्वारा भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी को लेकर एक फर्जी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा है। इस वीडियो में दावा किया गया कि सेना प्रमुख ने भारत और तालिबान के बीच संबंधों या बातचीत को लेकर बयान दिया है। हालांकि, प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) की फैक्ट चेक टीम ने इस दावे को पूरी तरह झूठा और भ्रामक बताया है। पीआईबी फैक्ट चेक में यह स्पष्ट हो गया कि जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है। जांच में यह भी सामने आया है कि वायरल वीडियो को डिजिटल रूप से संपादित और छेड़छाड़ करके तैयार किया गया है। ऐसा इसलिए किया गया है ताकि सेना प्रमुख के नाम से गलत जानकारी फैलाई जा सके। जांच में पाया गया कि वीडियो में मौजूद कथित बयान वास्तविक नहीं है और उसे तकनीकी माध्यमों से वीडियो में जोड़कर पेश किया गया है। फैक्ट चेक इकाई के अनुसार, यह वीडियो भारत विरोधी दुष्प्रचार अभियान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य भारतीय सेना और सरकारी संस्थानों के बारे में भ्रम और अविश्वास फैलाना है। हाल के वर्षों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डीपफेक तकनीक के इस्तेमाल से ऐसे फर्जी वीडियो बनाना आसान हो गया है, जिसके कारण गलत सूचनाएं तेजी से फैल रही हैं।पीआईबी ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाले किसी भी वीडियो, फोटो या दावे को बिना सत्यापन के साझा न करें।

अमेरिका ने ईरानी सैन्य ठिकानों पर की बमबारी, कुवैत पर ड्रोन और मिसाइल अटैक से तबाही

वॉशिंगटन(ए.)। अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से चल रहा टकराव अब खतरनाक मोड़ पर पहुंचता दिखाई दे रहा है। अमेरिकी सेना द्वारा ईरान के सैन्य ठिकानों पर किए गए हवाई हमलों के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए कुवैत पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए हैं। इस घटनाक्रम ने पूरे पश्चिम एशिया में तनाव को चरम पर पहुंचा दिया है।अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमान (CENTCOM) के अनुसार, ईरान के गेरुक क्षेत्र तथा रणनीतिक महत्व वाले क़ेशम द्वीप के आसपास स्थित रडार और ड्रोन ठिकानों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए गए। अमेरिका का दावा है कि यह कार्रवाई अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में उड़ान भर रहे उसके एमक्यू-1 ड्रोन को ईरान द्वारा मार गिराए जाने के जवाब में की गई।सेंट्रल कमान ने कहा कि अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने ईरान की हवाई सुरक्षा प्रणाली, एक ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन और दो हमलावर ड्रोन को नष्ट कर दिया, जो क्षेत्र से गुजरने वाले अंतरराष्ट्रीय जहाजों के लिए गंभीर खतरा बन चुके थे।अमेरिकी कार्रवाई के कुछ ही घंटों बाद कुवैत में हवाई हमले की चेतावनी गूंज उठी। कुवैती अधिकारियों ने पुष्टि की कि सोमवार तड़के ड्रोन और मिसाइल हमलों को रोकने के लिए उनकी वायु रक्षा प्रणाली सक्रिय करनी पड़ी। हालांकि नुकसान की विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है। उधर, ईरान की अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड ने एक बयान जारी कर कहा कि उसने अमेरिकी हमले का जवाब दिया है। सरकारी समाचार एजेंसी आईआरएनए के मुताबिक, गार्ड का आरोप है कि अमेरिकी सेना ने ईरान के एक दूरसंचार टावर को निशाना बनाया था, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई की गई। विशेषज्ञों का मानना है कि कुवैत को निशाना बनाया जाना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वहां अमेरिकी सेना का सेंट्रल कमांड मुख्यालय स्थित है, जो पूरे मध्य पूर्व में अमेरिकी सैन्य अभियानों का संचालन करता है। तनाव को और भड़काते हुए ईरानी सरकारी टेलीविजन ने मिसाइल प्रक्षेपण का वीडियो भी प्रसारित किया। वीडियो में एक मिसाइल पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तस्वीर वाला स्टिकर दिखाई दिया, जिस पर लिखा था— जब तक आखिरी अमेरिकी सैनिक इस क्षेत्र से नहीं चला जाता। इससे पहले सप्ताहांत में अमेरिका ने एक मालवाहक जहाज को भी निशाना बनाया था, जिस पर ईरानी बंदरगाहों की नाकाबंदी तोड़ने का प्रयास करने का आरोप लगाया गया था। विश्लेषकों का कहना है कि दोनों देशों के बीच बढ़ता सैन्य टकराव न केवल खाड़ी क्षेत्र बल्कि वैश्विक व्यापार और ऊर्जा सुरक्षा के लिए भी गंभीर चुनौती बन सकता है।पश्चिम एशिया में तेजी से बदलते हालात के बीच अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजरें अब इस बात पर टिकी हैं कि क्या यह संघर्ष सीमित सैन्य कार्रवाई तक रहेगा या फिर एक व्यापक क्षेत्रीय संकट का रूप ले लेगा।

म्यांमार में मौत का 'महातांडव', विस्फोटकों से भरी इमारत में लगी आग, 45 लोगों की मौत

यांगून (ए.)। भारत के पड़ोसी देश म्यांमार में रविवार को एक भीषण विस्फोट ने भारी तबाही मचा दी। उत्तरी म्यांमार के नामखाम टाउनशिप स्थित एक इमारत में हुए शक्तिशाली धमाके में कम से कम 45 लोगों की मौत हो गई, जबकि 70 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। मृतकों में छह बच्चे भी शामिल हैं।स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, जिस इमारत में विस्फोट हुआ वहां खनन कार्यों में इस्तेमाल किए जाने वाले बड़ी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ संग्रहीत किए गए थे। दोपहर के समय हुए धमाके की तीव्रता इतनी अधिक थी कि इसकी आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनी गई और आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई।घटना म्यांमार-चीन सीमा के निकट स्थित काउंटुप गांव में हुई, जो चीनी सीमा से करीब तीन किलोमीटर की दूरी पर है। यह क्षेत्र वर्तमान में ता'आंग नेशनल लिबरेशन आर्मी (TNLA) के प्रभाव वाले इलाके में आता है। यह सशस्त्र जातीय संगठन लंबे समय से म्यांमार की सैन्य सरकार के खिलाफ संघर्षरत है।धमाके की सूचना मिलते ही राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंच गए। मलबे से अब तक 45 शव निकाले जा चुके हैं, जबकि कई लोगों के अभी भी मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है।

अधिकारियों का कहना है कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।बचावकर्मियों के अनुसार, कम से कम 74 घायलों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। विस्फोट के कारण आसपास की कई इमारतों को भी नुकसान पहुंचा है। स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियां हादसे के कारणों की जांच में जुट गई हैं। शुरुआती आशंका है कि विस्फोटकों के भंडारण के दौरान हुई किसी चूक या तकनीकी खामी के चलते यह हादसा हुआ हो सकता है। इस भीषण त्रासदी के बाद पूरे इलाके में शोक और भय का माहौल है, जबकि राहत दल लगातार मलबा हटाकर जीवित लोगों की तलाश में जुटे हुए हैं।

ऊंची आवाज में मत बोलना.., विदेशी होटल में सिर्फ भारतीयों के लिए नियम लागू, लोगों में छिड़ी बहस

स्विट्जरलैंड (ए.)। भारतीयों के नागरिक शिष्टाचार (सिविक सेंस) को लेकर एक बार फिर सोशल मीडिया पर बहस तेज हो गई है। इस बार चर्चा का केंद्र स्विट्जरलैंड का एक होटल

बना है, जहां कथित तौर पर भारतीय मेहमानों के लिए विशेष दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। उद्योगपति हर्ष गोयनका द्वारा साझा की गई एक तस्वीर के बाद यह मुद्दा इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो गया। गोयनका ने सोशल मीडिया पर दावा किया कि उन्होंने स्विट्जरलैंड के एक होटल में भारतीय पर्यटकों के लिए अलग से बनाए गए नियमों की सूची देखी, जिसे देखकर उन्हें आश्चर्य हुआ। उनके अनुसार, इन निर्देशों में भारतीय मेहमानों से होटल परिसर में धीमी आवाज में बातचीत करने, भोजन संबंधी नियमों का पालन करने और अन्य मेहमानों की सुविधा का विशेष ध्यान रखने की अपील की गई है।हर्ष गोयनका ने हाल के कुछ वायरल वीडियो का हवाला देते हुए कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर तेज आवाज में बातचीत, रेस्तरां और एयरपोर्ट पर अनुशासनहीन व्यवहार तथा यात्रा के दौरान शोर-शराबे की घटनाएं भारत की छवि को प्रभावित कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि विदेशों में भारतीयों की बढ़ती उपस्थिति के साथ जिम्मेदार और सभ्य व्यवहार भी उतना ही महत्वपूर्ण हो गया है।

अमेरिका के साथ बढ़ते तनाव के बीच ईरान की राजनीति में बड़ा भूचाल, राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन ने दिया इस्तीफा

तेहरान (ए.)। शांति समझौते के बीच ईरान की राजनीति में बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई को भेजे गए इस्तीफे में देश की शासन व्यवस्था और सत्ता संरचना को लेकर गंभीर आरोप लगाए हैं।अपने पत्र में पेज़ेश्कियन ने कहा कि राष्ट्रपति और उनकी निर्वाचित सरकार को देश के महत्वपूर्ण नीतिगत और रणनीतिक फैसलों से लगभग पूरी तरह अलग कर दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) के कमांडरों का प्रशासनिक और राजनीतिक निर्णयों पर अत्यधिक प्रभाव बढ़ गया है, जिससे सरकार प्रभावी ढंग से काम नहीं कर पा रही है। पेज़ेश्कियन के अनुसार, ईरान का प्रशासनिक ढांचा अपने संवैधानिक और कानूनी मार्ग से भटक चुका है। उन्होंने दावा किया कि IRGC के भीतर मौजूद कट्टरपंथी गुटों ने कई

महत्वपूर्ण मामलों पर नियंत्रण स्थापित कर लिया है, जिसके कारण सरकार की भूमिका सीमित हो गई है। रिपोर्टों के अनुसार, पिछले कई महीनों से सरकार और सुरक्षा प्रतिष्ठान के बीच मतभेद बढ़ रहे थे।

पेज़ेश्कियन की सरकार न तो अपने स्तर पर प्रशासनिक बदलाव लागू कर पा रही थी और न ही अमेरिका के साथ संभावित समझौते को आगे बढ़ाने में सफल हो रही थी।यह इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब ईरान और अमेरिका के बीच संभावित समझौते को लेकर कूटनीतिक प्रयास अंतिम चरण में बताए जा रहे हैं। हालांकि, अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई ने राष्ट्रपति का इस्तीफा स्वीकार किया है या नहीं।पेज़ेश्कियन के इस्तीफे की खबर ने ईरान की आंतरिक राजनीति में हलचल पैदा कर दी है और इसके दूरगामी राजनीतिक प्रभावों को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं।

फीचर

सेलिना जेटली की बढ़ी मुश्किलें, पति-ससुर ने भेजा नोटिस, झूठे आरोपों और मीडिया ट्रायल पर आपत्ति

अभिनेत्री सेलिना जेटली की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। तलाक और बच्चों की कस्टडी को लेकर चल रहे विवादों के बीच उन्हें पति पीटर हाग और ससुर डीआई वोल्फगैंग जे. हाग ने दो अलग-अलग कानूनी नोटिस भेजे हैं। मुंबई स्थित विधि फर्म सेमवाल एंड कंपनी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि ये नोटिस सोशल मीडिया, डिजिटल प्लेटफॉर्म और कई मीडिया माध्यमों में प्रसारित की जा रही उन बातों के संबंध में जारी किए गए हैं, जिन्हें हाग परिवार ने भ्रामक, असत्य और मानहानिकारक बताया है। जानकारी के अनुसार, पहला नोटिस पीटर हाग के पिता डीआई वोल्फगैंग जे. हाग की ओर से भेजा गया है, जबकि दूसरा नोटिस स्वयं पीटर हाग ने अपने और अपने तीन नाबालिग बच्चों के हितों की सुरक्षा के लिए जारी किया है। परिवार का कहना है कि पिछले कुछ समय से उनके खिलाफ सार्वजनिक मंचों पर कई ऐसे आरोप लगाए जा रहे हैं, जिनका वास्तविक तथ्यों से कोई संबंध नहीं है।नोटिस में उल्लेख किया गया है कि पीटर हाग और सेलिना जेटली के बीच वैवाहिक विवाद और बच्चों की कस्टडी से जुड़े मामले वर्तमान में ऑस्ट्रिया की अदालतों में विचाराधीन हैं। परिवार का आरोप है कि न्यायिक प्रक्रिया जारी रहने के बावजूद इस मामले से जुड़े कई बयान, इंटरव्यू और सोशल मीडिया पोस्ट सार्वजनिक रूप से साझा किए गए, जिनमें हाग फैमिली को लेकर गंभीर आरोप लगाए गए।हाग फैमिली का कहना है कि उन्होंने लंबे समय तक सार्वजनिक प्रतिक्रिया देने से परहेज किया, क्योंकि वे चाहते थे कि पारिवारिक और बच्चों से जुड़े संवेदनशील मुद्दों का समाधान कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से हो। हालांकि, उनके अनुसार लगातार लग रहे सार्वजनिक आरोपों और मीडिया में उनके प्रसार के चलते अब कानूनी कदम उठाना जरूरी हो गया था।नोटिस में उन आरोपों का विशेष रूप से खंडन किया गया है, जिनमें पीटर हाग को हिंसक, अपमानजनक, भावनात्मक रूप से प्रताड़ित करने वाला या डराने-धमकाने वाला व्यक्ति बताया गया है। इसके अलावा, बच्चों को छिपाने, उनकी सोच

को प्रभावित या ब्रेनवॉश करने, उत्पीड़न करने और धर्म से जुड़े कुछ आरोपों को भी परिवार ने पूरी तरह निराधार बताया है।

हाग फैमिली ने सबसे अधिक चिंता बच्चों की प्राइवेसी और मानसिक स्थिति को लेकर जताई है। उनका कहना है कि लगातार सार्वजनिक चर्चाओं, तस्वीरों को पोस्ट करने और निजी मामलों को मीडिया में लाने से बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। उनका मानना है कि बच्चों से जुड़े मामलों को संवेदनशीलता और गोपनीयता के साथ संभाला जाना चाहिए और सार्वजनिक बहस या मीडिया ट्रायल का हिस्सा नहीं बनाना चाहिए।

नोटिस में यह भी कहा गया है कि कथित रूप से प्रसारित की गए कुछ कंटेंट मानहानि, निजता के उल्लंघन और न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने की श्रेणी में आ सकते हैं। इसी आधार पर संबंधित पक्षों से आपत्तिजनक कंटेंट हटाने, ऐसे पोस्ट को रोकने, सार्वजनिक स्पष्टीकरण जारी करने और बिना शर्त माफी की मांग की गई है।

मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए सेमवाल एंड कंपनी की पार्टनर और सॉलिसिटर येशा शाह ने बताया, महिलाओं की सुरक्षा के लिए बने कानून समाज के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं, लेकिन किसी भी शादी से संबंधित विवाद को बिना पुष्टि के आरोपों और सार्वजनिक अभियानों के जरिए मीडिया ट्रायल में बदलना उचित नहीं है। कानूनी प्रक्रियाओं का उद्देश्य न्याय सुनिश्चित करना होना चाहिए, न कि किसी व्यक्ति की समाज में छवि को नुकसान पहुंचाना।

परिवार ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि नोटिस में उल्लिखित मांगों का पालन नहीं किया गया तो वे आगे आपराधिक कानूनी कार्रवाई करने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं। हाग फैमिली के अनुसार, उनकी प्राथमिकता बच्चों की सुरक्षा, सम्मान, मानसिक स्वास्थ्य और निजता बनाए रखना है। मामला ऑस्ट्रिया की अदालतों में लंबित है, इसलिए इस समय वे सार्वजनिक रूप से इससे अधिक टिप्पणी नहीं करेंगे।

गोवा की वादियों में जीजा-साले की जुगलबंदी, केएल राहुल संग चिल करते दिखे अहान शेट्टी

अभिनेता अहान शेट्टी हाल ही में काम से ब्रेक लेकर गोवा की खूबसूरत वादियों में समय बिताने गए थे। शनिवार को उन्होंने इस ट्रिप की कुछ बेहद खूबसूरत झलकियां शेयर की। अभिनेता अहान शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिसमें उनके साथ भारतीय क्रिकेटर और उनके जीजा के.एल. राहुल भी नजर आ रहे हैं। तस्वीरों में दोनों को गोवा के घने और हरे-भरे जंगलों के बीच सुकून के पल बिताते हुए देखा जा सकता है। दोनों प्रकृति के खूबसूरत नजारों का आनंद लेते हुए आपस में कुछ खास बातचीत कर रहे हैं। इस दौरान अहान और के.एल. राहुल दोनों ही काफी कूल और कैजुअल लुक में दिखाई दे रहे हैं। तस्वीरों को पोस्ट करते हुए अहान ने लिखा, गोवा की खूबसूरत वादियों में एक यादगार दिन। अहान की पोस्ट फैंस और करीबियों को काफी पसंद आ रही है। बहन अथिया ने कमेंट सेक्शन पर प्रतिक्रिया भी दी।

करिश्मा कपूर की ब्राउन का ट्रेलर आउट, कोलकाता की पृष्ठभूमि पर सुलझेगी बेरहम हत्याओं की गुत्थी

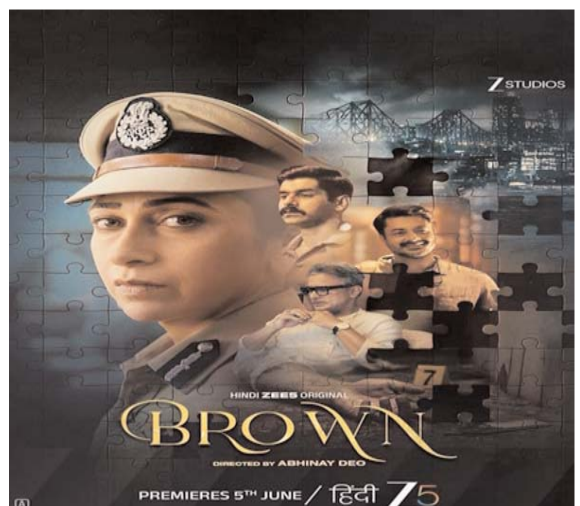

अभिनेत्री करिश्मा कपूर की आगामी वेब सीरीज ब्राउन के मेकर्स ने शनिवार को कोलकाता में ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। यह कोलकाता की पृष्ठभूमि पर आधारित एक डार्क साइकोलॉजिकल क्राइम थ्रिलर है। यह सीरीज कोलकाता की रहस्यमयी पृष्ठभूमि पर आधारित है। इसके केंद्र में करिश्मा का किरदार रीटा ब्राउन है, जिसे करिश्मा कपूर निभा रही हैं। रीटा कभी शहर की सबसे बेहतरीन पुलिस अधिकारियों में गिनी जाती थीं, लेकिन अब वह बदनाम हो चुकी हैं और शराब की लत से जूझ रही हैं। साथ ही, उसका अतीत उसे लगातार परेशान करता रहता है। कहानी तब नया मोड़ लेती है, जब शहर में एक के बाद एक कई बेरहमी से हत्याएं होने लगती हैं। इन हत्याओं की शुरुआत एक बड़े कारोबारी की बेटी की हत्या से होती है। इसके बाद रीटा को मजबूरी में फिर से जांच के लिए सिस्टम में लौटना पड़ता है। इस दौरान वह इंस्पेक्टर अर्जुन नामक एक युवा और परेशान अधिकारी के साथ मिलकर मामले की जांच करती है। जांच के दौरान दोनों ऐसे रहस्यों और सच्चाइयों का सामना करते हैं, जो उन्हें एक ऐसे कोलकाता से रूबरू कराते हैं, जो पहले से कहीं ज्यादा भ्रष्ट, बिखरा हुआ और खतरनाक बन चुका है।

वेब सीरीज में अभिनेत्री पुलिस अधिकारी रीटा ब्राउन का किरदार निभा रही हैं, जिसके बारे में उन्होंने बताया कि उन्होंने अपने लंबे करियर में पहले कभी ऐसा किरदार नहीं निभाया है। रीटा ब्राउन का किरदार जितना अपने साहस के लिए मजबूत है, उतना ही अपनी कमजोरियों और खामोशी के कारण भी खास और प्रभावशाली है।

उन्होंने कहा, रीटा ब्राउन मेरे द्वारा पहले निभाए गए किसी भी किरदार से बिल्कुल अलग है। वह कई कमियों के साथ जीती है, भावनात्मक रूप से कमजोर और टूटी हुई है, लेकिन इसके बावजूद वह जिंदगी की हर चुनौती का डटकर सामना करती है। यही बात उसे बेहद मजबूत और खास बनाती है।अभिनेत्री ने बताया कि वेब सीरीज की भावनात्मक सच्चाई ने उन्हें सबसे ज्यादा प्रभावित किया। इसमें न तो दर्द को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया गया है और न ही इंसानी रिश्तों को आसान बनाकर पेश किया गया है। कहानी बिल्कुल वास्तविक है।अभिनेता जिस्शु सेनगुप्ता ने बताया, मुझे ब्राउन की सबसे खास बात यह लगी कि इसकी कहानी धीरे-धीरे कई परतों में खुलती है।

तेलुगु और तमिल फिल्मों में दिलचस्पी, मगर मलयालम फिल्मों में काम नहीं करना चाहतीं जाह्नवी, बताई वजह

अभिनेत्री जाह्नवी कपूर की फिल्म पेड्डी सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। हिंदी के साथ ही साउथ की फिल्मों में काम कर चुकीं जाह्नवी कपूर ने कहा कि वह दोबारा मलयालम सिनेमा में काम नहीं करना चाहती हैं। उन्होंने इसके पीछे की वजह भी बताई। हाल ही में फिल्म 'परम सुंदरी' में काम करने के बाद उन्होंने माना कि मलयालम भाषा उनके लिए काफी मुश्किल साबित हुई। जाह्नवी कपूर ने आईएएनएस को दिए एक इंटरव्यू में बताया कि साल 2024 में तेलुगु फिल्म 'देवरा- पार्ट 1' से दक्षिण भारतीय सिनेमा में डेब्यू करने के बाद अब वे खुद को कई भाषा जानने वाली अभिनेत्री मानती हैं। उन्होंने बताया, सच कहूं तो मुझे सभी भाषाएं सीखनी हैं। लेकिन मलयालम भाषा की फोनेटिक्स (उच्चारण) मेरे लिए बहुत चुनौतीपूर्ण रही। मुझे नहीं लगता कि मुझे दोबारा मलयालम में काम करना चाहिए क्योंकि यह मेरे लिए बहुत मुश्किल है। यह बहुत खूबसूरत और प्यारी भाषा है, लेकिन तमिल और तेलुगु की आवाजों से मैं काफी हद तक परिचित हूं।साल 2018 में फिल्म 'धड़क' से करियर की शुरुआत करने वाली जाह्नवी कपूर 'गुंजन सक्सेना', 'मिली' और 'देवरा- पार्ट 1' जैसी फिल्में दे चुकी हैं। जाह्नवी तेलुगु फिल्मों का भरपूर आनंद ले रही हैं और तमिल सिनेमा में भी काम करने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा, मैं तेलुगु फिल्मों में काम करने का सच में आनंद ले रही हूं। मैं तमिल फिल्मों में भी काम करना चाहूंगी।पेड्डी एक एक्शन ड्रामा फिल्म है। फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है, जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। ट्रेलर में गांव की जिंदगी, मेहनत, संघर्ष और खेलों के प्रति जुनून साफ दिखाई दे रहा है। राम चरण एथलीट पेड्डी की भूमिका में हैं, जो क्रिकेट, कुश्ती और दौड़ जैसे कई खेलों के लिए मैदान में उतरता है। वर्तमान में जाह्नवी तेलुगु फिल्म 'पेड्डी' की रिलीज की तैयारी में व्यस्त हैं।

राजिम पुलिस ने 13.775 किलो गांजा किया जब्त, 5 आरोपी पकड़ाए

गरियाबंद, (आरएनएस)। राजिम पुलिस ने गांजा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक स्विफ्ट डिजायर कार से 13.775 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। पुलिस को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर जोरा तालाब के पास घेराबंदी कर यह कार्रवाई की गई। पुलिस द्वारा वाहन की तलाशी लेने पर कार से करीब 6.77 लाख रुपये मूल्य का गांजा मिला। इसके अलावा तस्करी में इस्तेमाल की जा रही स्विफ्ट डिजायर कार और 5 मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। जब्त सामग्री की कुल कीमत 14.12 लाख रुपये आंकी गई है। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने धमतरी और ओडिशा के 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया, वहीं मामले में 2 विधि से संघर्षरत बालकों को भी पकड़ा गया है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफएनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है तथा मामले की आगे की जांच जारी है।

किसान ने किया सुसाइड, मामले में पड़ोसी गिरफ्तार

बिलासपुर, (आरएनएस)। जिले के सीपत थाना क्षेत्र के ग्राम फरहदा में घर और जमीन खाली कराने के लिए लगातार दबाव, गाली-गलौज, मारपीट तथा जान से मारने की धमकियों से परेशान होकर जहर खाने वाले व्यक्ति की मौत के मामले में पुलिस ने पड़ोसी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफआत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने की धारा जोड़ते हुए कार्रवाई की है। डीएसपी डीआर टंडन ने बताया कि ग्राम फरहदा बजरंग चौक निवासी परमेश्वरी पटेल ने शुक्रवार को सीपत थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि वे और उनका परिवार सरकारी जमीन पर बने मकान में रह रहे हैं। पड़ोस में रहने वाला बलराम यादव एक बुजुर्ग महिला को साथ लेकर उनके घर पहुंचा और जमीन को उसका बताते हुए मकान खाली करने का दबाव बनाने लगा। विरोध करने पर उसने घर में घुसकर अश्लील गाली-गलौज की, मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। घटना से आहत परमेश्वरी के पति कनक पटेल ने कीटनाशक का सेवन कर लिया। गंभीर हालत में उन्हें सिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। जांच में पुलिस को पता चला कि आरोपी लंबे समय से कनक पटेल और उनके परिवार को मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था।

शेयर ट्रेडिंग के नाम पर 1.77 करोड़ की ठगी, मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव समेत दर्जनभर लोग बने शिकार

रायगढ़, (आरएनएस)। शेयर मार्केट में मोटे मुनाफे का झांसा देकर मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव सहित दर्जनभर से अधिक लोगों से 1 करोड़ 77 लाख 10 हजार रुपये की कथित ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, दरोगापारा निवासी संजय मिश्रा की मुलाकात वर्ष 2022 में पश्चिम बंगाल निवासी विश्वजीत देवनाथ से हुई थी। आरोपी ने खुद को एलईडी बल्ब निर्माण और शेयर ट्रेडिंग का कारोबारी बताते हुए निवेश पर हर महीने 6 प्रतिशत ब्याज और मूलधन का 10 प्रतिशत रिटर्न देने का दावा किया। लुभावने प्रस्ताव पर भरोसा कर संजय मिश्रा ने बैंक से 12 लाख रुपये का लोन लेकर आरोपी द्वारा बताए गए खाते में राशि जमा कर दी। शुरुआती कुछ महीनों तक नियमित भुगतान मिलने से उनका भरोसा बढ़ गया।

विंध्यनगर में अवैध निर्माण पर निगम की कार्रवाई, चार ब्लॉक किए गए ध्वस्त

रायपुर (ए.)। नगर पालिक निगम रायपुर ने अवैध निर्माण के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए जोन क्रमांक 1 क्षेत्र के यतियतन लाल वार्ड क्रमांक 4 अंतर्गत विंध्यनगर में निर्मित चार अवैध ब्लॉकों को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर की गई। कार्रवाई के दौरान जोन-1 के जोन कमिश्नर अंशुल शर्मा के मार्गदर्शन में नगर निवेश विभाग की टीम मौके पर मौजूद रही। इस दौरान कार्यपालन अभियंता द्रोणी कुमार पैकरा, सहायक अभियंता शरद देशमुख सहित अन्य अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे। नगर निगम के अनुसार विंध्यनगर क्षेत्र में चार ब्लॉकों का निर्माण बिना आवश्यक स्वीकृति एवं नियमों के विपरीत किया गया था। मामले की जांच और निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद नगर निवेश विभाग द्वारा अवैध निर्माण को हटाने की कार्रवाई की गई। जोन कमिश्नर ने बताया कि उषा मिश्रा, देवचंद मिश्रा और रानी मिश्रा द्वारा किए गए अवैध चार ब्लॉक निर्माण को नियमानुसार नोटिस एवं अन्य प्रक्रियाओं के बाद तोड़ा गया। कार्रवाई नगर निगम अधिनियम एवं प्रचलित नियमों के अनुरूप की गई।

रायपुर में आरसीबी की जीत का जश्न, पटाखों और आतिशबाजी से गूंज उठा शहर।

बच्चों एवं वृद्धों के मुख्य पोषण का आहार दूध

आज विश्व दुग्ध दिवस

रायपुर, (आरएनएस)। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी एक जून को विश्व दुग्ध दिवस मनाया जा रहा है। चिकित्सकों की राय में बच्चों एवं वयोवृद्धों के लिए कैल्सियम की कमी शरीर में एवं हड्डियों की मजबूती के लिए मुख्य आधार दूध ही है। एक समय जब भारत में दुग्ध उत्पादन काफी कम था। गुजरात के आनंद डेयरी ने सबसे पहले अमूल उत्पाद के जरिये देश भर में सहकारी सेक्टर में दुग्ध उत्पादकों को जोड़कर दुग्ध क्रांति की। इसके बाद दूध की कमी पूरे देश से खत्म हो गई। आज छग में दुग्ध सहकारी समितियों के माध्यम से देवभोग न केवल दूध बल्कि दूध से बने उत्पाद खोवा, श्रीखंड, पेड़ा, पनीर सहित अनेक दुग्ध सामाग्री की बिक्री कर रहा है। छग शासन के सेवानिवृत्त प्रमुख सचिव गणेश शंकर मिश्रा ने सोशल मीडिया के माध्यम से दुग्ध उत्पादक किसानों को विश्व दुग्ध दिवस के अवसर पर नमन करते हुए बधाई दी है। छोटों से लेकर बड़ों तक में दूध का सेवन स्वास्थ्य के लिए उत्तम माना जाता है। बीमारी चाही जैसी भी हो डाक्टर आमतौर पर मरीजों को फल के साथ ही दूध सेवन करने की सलाह देते है। आज दूग्ध उत्पादन की दिशा में छग आत्मनिर्भर हो चुका है। पशुआहार में मूल्यों की वृद्धि के चलते रायपुर निजी दूध डेयरियों के माध्यम से दूध इन दिनों गाय का 70 रुपये एवं भैंस का 80 लीटर बिक रहा है। जबकि देवभोग गोरस एक लीटर दूध 55 से 60 रुपये लीटर के बीच बेचा जा रहा है। खोवा प्रति किलो 370 रुपये देवभोग पार्लर वाले बेच रहे हैं।

मुख्यमंत्री का कड़ा संदेश : जनता से अशिष्ट व्यवहार पर जीरो टॉलरेंस, दुर्ग जनपद सीईओ निलंबित

रायपुर (आरएनएस)। सुशासन तिहार 2026 के तहत आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में आम जनता से अशिष्ट व्यवहार और कर्तव्य में लापरवाही बरतने के आरोप को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गंभीरता से लेते हुए जनपद पंचायत दुर्ग के मुख्य कार्यपालन अधिकारी रूपेश कुमार पाण्डेय को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दुर्ग संभागायुक्त को दिए थे। मुख्यमंत्री श्री साय के निर्देशों के परिपालन में कमिश्नर दुर्ग ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत दुर्ग, श्री रूपेश कुमार पाण्डेय को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

संभागायुक्त दुर्ग द्वारा जारी निलंबन आदेश में उल्लेखित है कि कलेक्टर दुर्ग से प्राप्त प्रस्ताव एवं ग्राम थनौद में आयोजित जनसमस्या निवारण शिविर में श्री पाण्डेय द्वारा आम जनता से अशिष्ट व्यवहार संबंधी वीडियो क्लिप के अवलोकन से प्रथम दृष्टया यह स्पष्ट हुआ कि उन्होंने शासन द्वारा आयोजित सुशासन तिहार एवं शिविर में कर्तव्यों के निर्वहन में लापरवाही तथा अशिष्टतापूर्ण व्यवहार किया। यह आचरण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम के विपरीत है। इस संबंध में संभागायुक्त दुर्ग द्वारा श्री पाण्डेय को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था, किंतु उनके द्वारा प्रस्तुत जवाब समाधानकारक नहीं पाया गया।

छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम, 1965 के नियम 3 के तहत प्रत्येक शासकीय सेवक को सदैव पूर्ण रूप से सत्यनिष्ठ एवं कर्तव्यपरायण रहना है तथा ऐसा कोई कार्य नहीं करना है, जो शासकीय सेवक के लिए अशोभनीय हो। नियम 3-क के खण्ड (क) के अनुसार, कोई भी शासकीय सेवक अपने पदीय कृत्यों के पालन में अशिष्टता से कार्य नहीं करेगा।

मरवाही में दंतैल हाथियों की दबिश, जंगल से सटे गांवों में अलर्ट

बिलासपुर(आरएनएस)। भीषण गर्मी के बीच मरवाही वन परिक्षेत्र में चार हाथियों का एक दल पहुंचने से आसपास के गांवों में सतर्कता बढ़ा दी गई है। ग्राम घुसरिया के जंगल में स्थित एक जलाशय के आसपास इन हाथियों ने अस्थायी डेरा जमा लिया है। गर्मी से राहत पाने के लिए हाथियों को जलाशय में पानी पीते, स्नान करते और अठखेलियां करते देखा गया है। वन विभाग लगातार उनकी गतिविधियों पर नजर बनाए हुए है और ग्रामीणों से हाथियों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील कर रहा है।हाथियों के इस दल में तीन दंतेल हाथी शामिल हैं। पिछले कुछ समय से मरवाही क्षेत्र के जंगल हाथियों की आवाजाही का प्रमुख मार्ग बने हुए हैं और एक बार फिर यह दल यहां पहुंच गया है।

तेंदूपत्ता अग्निकांड के बीच डीएफओ रमेश जांगड़े के समर्थन में एकजुट हुआ वन अमला, वन मंत्री को सौंपा ज्ञापन

बीजापुर (आरएनएस)। बीजापुर वनमंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने तेंदूपत्ता गोदाम अग्निकांड की घटना के बीच वनमंडलाधिकारी डीएफओ रमेश जांगड़े के समर्थन में एकजुटता दिखाते हुए वन मंत्री के नाम ज्ञापन प्रेषित किया है। ज्ञापन में कर्मचारियों ने जांगड़े को एक कुशल प्रशासक, संवेदनशील अधिकारी एवं कर्मचारियों के हितों का ध्यान रखने वाला नेतृत्वकर्ता बताते हुए उनके कार्यकाल की सराहना की है। कर्मचारियों ने कहा कि डीएफओ रमेश जांगड़े के नेतृत्व में वनमंडल में बेहतर कार्य वातावरण का निर्माण हुआ है। उनके मार्गदर्शन में विभागीय कार्यों में पारदर्शिता, समन्वय एवं जवाबदेही बढ़ी है, जिससे अधिकारियों और कर्मचारियों को सकारात्मक माहौल में कार्य करने का अवसर मिला है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि तेंदूपत्ता गोदाम में हुई आगजनी की घटना गंभीर एवं दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन मामले की जांच में पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए चार आरोपियों की पहचान कर उन्हें तत्काल तलाश कर लिया है। कर्मचारियों का कहना है कि जब मामले की जांच और कानूनी कार्रवाई तेजी से आगे बढ़ रही है, तब किसी अधिकारी को बिना तथ्यों के कठघरे में खड़ा करना उचित नहीं होगा। वन विभाग के कर्मचारियों ने कहा कि आगजनी जैसी घटनाओं की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए तथा दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए, लेकिन इसके साथ ही ईमानदारी से कार्य कर रहे अधिकारियों का मनोबल भी प्रभावित नहीं होना चाहिए।

खेल समाचार

ढोल की थाप पर नाचे कोहली और क्रुणाल, चैंपियन बनने के बाद जमकर मना जश्न

अहमदाबाद (आरएनएस)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल 2026 के खिताब पर कब्जा जमाया। नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में आरसीबी ने गुजरात टाइटंस (जीटी) को 5 विकेट से हराया। खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने के बाद आरसीबी के ड्रेसिंग रूम में जमकर जश्न मना।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु द्वारा अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में क्रुणाल पांड्या और विराट कोहली ढोल की धुन पर जमकर नाचते हुए दिखाई दिए। इस दौरान क्रुणाल के हाथ में आईपीएल की ट्रॉफी भी मौजूद रही। एक अन्य वीडियो में कप्तान रजत पाटीदार, रसिल सलाम, जितेश शर्मा समेत आरसीबी के बाकी खिलाड़ी भी ढोल पर खूब नाचते हुए नजर आए।

आरसीबी के जश्न में बॉलीवुड अभिनेत्री और विराट कोहली की पत्नी अनुष्का शर्मा भी शामिल हुईं। वीडियो में अनुष्का कोहली संग नाचती हुई दिखाई दीं।

वहीं, विराट रजत पाटीदार और दिनेश कार्तिक के साथ भी डांस करते हुए नजर आए। खिताबी मुकाबले में विराट कोहली ने 18वें ओवर की आखिरी गेंद पर सिक्स लगाकर आरसीबी को लगातार दूसरी बार चैंपियन बनाया। फाइनल मैच में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन के बूते आरसीबी गुजरात टाइटंस को 20 ओवर में 155 रनों के स्कोर पर रोकने में सफल रही। जीटी की तरफ से वॉशिंगटन सुंदर ने बढ़िया बल्लेबाजी करते हुए 37 गेंदों में 50 रनों की अहम पारी खेली। हालांकि, सुंदर को छोड़कर गुजरात टाइटंस के बाकी बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। आरसीबी की ओर से गेंदबाजी में रसिख सलाम ने 4 ओवर में 27 रन देकर 3 विकेट चटकाए। वहीं, भुवनेश्वर कुमार और जोश हेजलवुड ने 2-2 विकेट अपनी झोली में डाले।

आरसीबी ने 156 रनों के लक्ष्य को आसानी से 18 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। आरसीबी की तरफ से विराट कोहली ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 42 गेंदों में 75 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी के दौरान कोहली ने 9 चौके और 3 छक्के लगाए। कोहली ने वेंकटेश अय्यर के साथ मिलकर आरसीबी को दमदार शुरुआत दी और दोनों ने पहले विकेट के लिए महज 27 गेंदों में 62 रन जोड़े। अय्यर 16 गेंदों में 4 चौके और 2 छक्कों की मदद से 32 रन बनाकर आउट हुए।

नॉर्वे चेस 2026 : कार्लसन ने दर्ज की बड़ी जीत, गुकेश और दिव्या हारे

ओस्लो (आरएनएस)। नॉर्वे चेस 2026 के छठे राउंड में कई रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर रही, जिससे खिताब की दौड़ और दिलचस्प हो गई है। पुरुष वर्ग में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने टूर्नामेंट लीडर अलीरेजा फिरोजा को हराकर बड़ी जीत दर्ज की। सफेद मोहरों से खेलते हुए कार्लसन ने पूरे मुकाबले में दबाव बनाए रखा और बाद के चरण में अपनी बढ़त का फायदा उठाकर जीत हासिल की। यह फिरोजा की टूर्नामेंट में पहली क्लासिकल हार रही।

एक अन्य मुकाबले में वेस्ली सो ने भारत के युवा ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानंदा को हराया। लंबा चला यह मुकाबला काफी संघर्षपूर्ण रहा, लेकिन एंडगेम में वेस्ली ने बेहतर खेल दिखाते हुए पूरे तीन अंक हासिल किए। इस जीत के साथ वह अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गए हैं।

वहीं, मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश को जर्मनी के विंसेंट कीमर के हाथों हार का सामना करना पड़ा। कीमर इस मुकाबले में गुकेश पर शुरुआत से ही हावी रहे और वह अपने दमदार खेल को अंत तक बरकरार रखने में सफल रहे। विंसेंट ने गुकेश को वापसी करने का मौका नहीं दिया और शानदार जीत दर्ज की।

छठे राउंड के बाद वेस्ली सो पहले स्थान पर हैं, जबकि अलीरेजा फिरोजा उनके करीब बने हुए हैं। मैग्नस कार्लसन की जीत से खिताब की दौड़ और रोमांचक हो गई है। महिला वर्ग में मौजूदा विश्व चैंपियन वेनजुन ने भारत की दिव्या देशमुख को हराकर दिन की एकमात्र क्लासिकल जीत दर्ज की। जू वेनजुन ने धैर्य के साथ खेलते हुए एंडगेम में बढ़त हासिल की और मुकाबला अपने नाम किया।

दूसरी ओर, बिबिसारा असौबायेवा ने आर्मागेडन मुकाबले में जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए और महिला वर्ग में फिर से शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं। छह राउंड के बाद असौबायेवा 9.5 अंकों के साथ पहले स्थान पर हैं, जबकि दिव्या देशमुख 8.5 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर बनी हुई हैं।

एना मुजिचुक और झू जिनर के बीच खेला गया मैच काफी बराबरी का रहा। दोनों खिलाड़ियों ने अच्छा खेल दिखाया और कोई भी बढ़त नहीं बना सका, इसलिए क्लासिकल गेम ड्रॉ पर खत्म हुआ। इसके बाद आर्मागेडन गेम खेला गया, जिसमें झू जिनर ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए शानदार जीत हासिल की। जीत हासिल की। इस जीत से उन्हें अतिरिक्त अंक मिले।

श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम का ऐलान, हेटमायर की वापसी

एंटीगुआ (आरएनएस)। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है। शिमरोन हेटमायर की वनडे टीम में वापसी हुई है। माना जा रहा है कि अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप को ध्यान में रखते हुए ही हेटमायर को वनडे टीम में जगह दी गई है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने कहा कि हेटमायर तीसरे और आखिरी मैच से पहले टीम में शामिल होंगे। टीम में तेज गेंदबाज अल्जारी जोसेफ की भी वापसी हुई है, जो जुलाई 2025 से पीठ की चोट के कारण बाहर थे। इसके साथ ही गुडाकेश मोती को भी जगह दी गई है, जो नवंबर में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज़ में नहीं खेल पाए थे। जोसेफ पीठ की चोट से उबरने के बाद पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद अपना पहला इंटरनेशनल मैच खेलने मैदान पर उतरेंगे। यह सीरीज 3-8 जून को जमैका के सबीना पार्क में होगी। इस मुकाबले के साथ वेस्टइंडीज 2027 वनडे विश्व कप के लिए सीधे क्वालिफाई करने के अपने अभियान की अहम शुरुआत करेगा।

वेस्टइंडीज के कोच डैरेन सैमी ने कहा कि श्रीलंका एक मजबूत और अनुशासित वनडे टीम है। उनके खिलाड़ी हालात के अनुसार धैर्य और समझदारी से खेलना जानते हैं। उन्होंने कहा कि यह सीरीज उनकी टीम के लिए अपने खेल का स्तर तय करने का अच्छा मौका है। टीम फील्डिंग में तेजी, बल्लेबाजी में स्पष्ट सोच और गेंदबाजी में लगातार अच्छा प्रदर्शन दिखाना चाहती है।सैमी के अनुसार, वेस्टइंडीज की कोशिश निडर, लेकिन समझदारी भरा क्रिकेट खेलने की है और टीम अपनी एक मजबूत पहचान बनाना चाहती है।

FIFA को भारत में मिला ब्रॉडकास्टर, फैंस इस चैनल पर देख पाएंगे LIVE वर्ल्ड कप मैच

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय खेल प्रसारण जगत में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड (ZEEL) ने फीफा के 39 प्रमुख वैश्विक टूर्नामेंटों के मीडिया अधिकार हासिल करने की घोषणा की है। इस ऐतिहासिक समझौते के तहत कंपनी भारत में 2026 से 2034 तक आयोजित होने वाले फीफा वर्ल्ड कप सहित कई प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल आयोजनों का प्रसारण करेगी। इस डील में FIFA World Cup ww{, FIFA Womens World Cup 2027, FIFA World Cup 2030 समेत विभिन्न आयु वर्ग और महिला प्रतियोगिताओं के अधिकार शामिल हैं। इसके साथ ही ज़ी भारतीय दर्शकों के लिए विश्व फुटबॉल का प्रमुख प्रसारण मंच बनने की दिशा में बड़ा कदम बढ़ा चुका है।

जून 2026 से शुरू होगा विश्व कप का रोमांच

अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको की संयुक्त मेजबानी में आयोजित होने वाले फीफा वर्ल्ड कप 2026 का प्रसारण ज़ी समूह के नए स्पोर्ट्स नेटवर्क Unite} Sports पर किया जाएगा, जबकि डिजिटल दर्शक ZEEL पर मैचों की लाइव स्ट्रीमिंग देख सकेंगे।

कंपनी के अनुसार, लाइव मुकाबलों के अलावा दर्शकों को टूर्नामेंट की विशेष झलकियां, विशेषज्ञ विश्लेषण, फीचर कार्यक्रम और फीफा से जुड़ी विशेष डॉक्यूमेंट्री सामग्री भी उपलब्ध कराई जाएगी।

महंगी डील के बावजूद ज़ी ने लगाया बड़ा दांव

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक फीफा 2026 से 2030 के वर्ल्ड कप प्रसारण अधिकारों के लिए लगभग 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर की मांग कर रहा था। ऊंची लागत और समय क्षेत्र (टाइम जोन) की चुनौतियों के कारण लंबे समय तक भारत में कोई ब्रॉडकास्टर इस सौदे को अंतिम रूप नहीं दे पा रहा था।चूंकि अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले मैच भारतीय समयानुसार देर रात और तड़के प्रसारित होंगे, इसलिए कई प्रसारण कंपनियां इससे दूरी बनाए हुए थीं। ऐसे में ज़ी का यह फैसला भारतीय खेल मीडिया उद्योग में एक साहसिक निवेश माना जा रहा है।

फुटबॉल के बढ़ते बाजार पर ज़ी की नजर

ZEEL के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) पुनीत गोयनका ने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े खेल आयोजनों में से एक को भारतीय दर्शकों तक पहुंचाना कंपनी के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि फुटबॉल एक ऐसा खेल है जो क्षेत्र, भाषा और सामाजिक वर्ग की सीमाओं को पार कर लोगों को जोड़ता है। उन्होंने कहा कि फीफा अधिकारों का अधिग्रहण और समर्पित स्पोर्ट्स चैनलों की शुरुआत फुटबॉल की दीर्घकालिक संभावनाओं में कंपनी के विश्वास को दर्शाती है। पिछले एक दशक में भारत में फुटबॉल दर्शकों की संख्या लगातार बढ़ी है। यूरोपीय क्लब फुटबॉल, अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों की बढ़ती लोकप्रियता और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के विस्तार ने इस खेल को नई पहचान दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि फीफा टूर्नामेंटों के प्रसारण अधिकार मिलने से भारत में फुटबॉल के प्रति रुचि और अधिक बढ़ सकती है तथा खेल प्रसारण बाजार को नई दिशा मिल सकती है।

कोहली की क्लास, भुवनेश्वर का चला जादू, आरसीबी को चैंपियन बनाने में इन 5 खिलाड़ियों ने निभाई अहम भूमिका

नई दिल्ली,(आरएनएस)। रजत पाटीदार की कप्तानी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने वो कर दिखाया, जो आईपीएल के इतिहास में सिर्फ चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस की टीम ही कर सकी हैं। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में आरसीबी ने गुजरात टाइटंस को फाइनल में 5 विकेट से हराते हुए लगातार दूसरी बार आईपीएल की ट्रॉफी को अपने नाम किया। आइए आपको उन 5 खिलाड़ियों के नाम बताते हैं, जिनके बूते खिताब का बचाव करने में सफल रही आरसीबी। विराट कोहली: आरसीबी के लिए विराट कोहली कितने मायने रखते हैं, यह बात वह हर सीजन अपने प्रदर्शन से साबित करके दिखाते हैं। आईपीएल 2026 में भी कोहली का बल्ला खूब गरजा, और वह टीम की ओर से सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। 37 वर्षीय विराट ने 16 मुकाबलों में 165 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 675 रन बनाए। वहीं, फाइनल मैच में भी उन्होंने 42 गेंदों में 75 रनों की नाबाद पारी खेली। भुवनेश्वर कुमार: आरसीबी को लगातार दूसरी बार चैंपियन बनाने में भुवनेश्वर कुमार का रोल काफी अहम रहा। भुवनेश्वर ने न सिर्फ पावरप्ले में टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई, बल्कि अंत के ओवरों में भी अहम मौकों पर विकेट चटकाए।

खरखेड़ी, टिगरिया, दत्तपुरा का पावन धाम प्राचीन गोकर्णेश्वर महादेव मंदिर ले रहा है नया स्वरूप

गोकर्णेश्वर महादेव मंदिर में संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा 2 से 8 जून तक

बलराम शर्मा

नर्मदापुरम। डोलरिया। भारत की पवित्र मप्र और गुजरात की जीवनरेखा पुण्य दायनी पतित पावनी मां नर्मदा का संपूर्ण तट तीर्थ स्थल है। मां नर्मदा के दोनों तटों पर हजारों की संख्या में मंदिर बने हुए हैं। मां रेवा की असीम कृपा से पुण्य आत्माओं के द्वारा मंदिरों के निर्माण किए गए हैं। 1312 किलोमीटर की परिक्रमा यात्रा नर्मदा पथ में नर्मदापुरम जिले पर मां नर्मदा की असीम अनुकंपा है तभी तो मां के नाम पर नगर का नामकरण नर्मदापुरम हुआ है। नर्मदापुरम को मंदिरों का शहर कहा जाने लगा है। इस शहर में जितने मंदिर हैं उतने शायद ही नर्मदा तट के किसी अन्य शहर में होंगे। शहर ही नहीं ग्रामीण अंचलों में भी मंदिर बनवाने वाले श्रद्धालुओं की आस्था रही है। तभी तो सैंकड़ों वर्ष पूर्व मां नर्मदा के पावन तट खरखेड़ी, टिगरिया, दत्तपुरा की पवित्र भूमि पर पावन धाम गोकर्णेश्वर महादेव मंदिर की भी अपनी अलग ही प्रसिद्ध है। इस मंदिर के पास ही छोटे मंदिर भी बने थे। बाग बगीचे भी थे।

गोकर्णेश्वर महादेव मंदिर परिसर में होते रहे हैं दिव्य और भव्य आयोजन

धार्मिक कार्यक्रम और अनुष्ठान की श्रृंखला गोकर्णेश्वर महादेव मंदिर परिसर में प्राचीन काल से जारी है। तट के प्राचीन मंदिर में पूर्व के कई वर्षों तक पुराणों, प्रवचन, देवी उत्सव, यज्ञ हवन, रामलीला, अखंड रामचरित मानस के पाठ, अखंड रामसत्ता, नाटक, नौटंकी, भजनों की प्रस्तुति, के साथ ही अनेक धार्मक आयोजन होते रहे हैं। जिसमें आसपास के श्रद्धालुओं का आगमन होता रहा है।

प्राचीन मंदिर की गुफा

प्राचीन मंदिर के दक्षिण हिस्से में तलघरा में एक रहस्मयी गुफा स्थित थी। जहां कुछ ही सीढियों से नीचे उतरने के बाद गुफा में पहुंचते थे। वहां पर एक तांबे का घड़ा रखा हुआ था जिसमें जल भरा हुआ रहता था उससे जल निकालने के बाद भी पुन: घड़ा भर जाता था।

गोघाट का महत्व

मंदिर के नीचे मां नर्मदा के पुनीत तट पर गोघाट है जहां पर प्राचीन काल में बस्ती के किसान परिवार की गायें आकर पानी पीती थी इस कारण इस घाट का नाम गोघाट है। यहां पर अमावस्या, पूणिमा व मकर संक्रांति के दिन मेले का आयोजन भी होता रहा है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु स्नान के लिए आते ह

50 वर्ष पूर्व हुआ था महायज्ञ

जिस स्थान पर मंदिर को पुन: नया आकर्षक व भव्य स्वरूप दिया जा रहा है। इस स्थान पर लगभग 50 से अधिक वर्ष पूर्व श्री विष्णु महायज्ञ का विशाल आयोजन हुआ था। जिसमें देश भर से प्रसिद्ध संत महात्माओं का आगमन हुआ था।

प्राचीन मंदिर कटाव में आने पर दूसरा मंदिर बनाया गया

मां नर्मदा के तट पर स्थित प्राचीनतम गोकर्णेश्वर महादेव मंदिर कटाव में आने के कारण उसकी द्वित्तीय प्रतिकृति के रूप में बस्ती में कई वर्षों तक रामलीला का आयोजन कराने वाले मंदिर के तत्कालीन सर्वाहकार क्षेत्र के धर्मनिष्ठ कर्मनिष्ठ समाजसेवी प्रसिद्ध पटेल बद्रीप्रसाद गौर ने ब्रम्हलीन होने से पूर्व ही भव्य मंदिर का निर्माण कराया था। खुशी की बात है कि वर्तमान व्यवस्थापक अब उसी स्थान पर करोड़ों रूपयों की लागत से राजस्थानी शिलाओं से मंदिर को नया स्वरूप देते हुए भव्य व आकर्षक मंदिर तैयार करा रहे हैं।

डॉ तोमर बने एआईसीपीओ भारत सरकार से संबद्ध के प्रदेश सचिव

डॉ.मयंक तोमर का पूज्य आचार्य राजेंद्र पुरोहित द्वारा किए गए स्वस्तिवाचन के साथ सिद्धेश्वर शिवमंदिर परिवार द्वारा सम्मान किया गया

नर्मदापुरम (निप्र)। करियर काउंसलर डॉ मयंक तोमर को एआईसीपीओ अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन भारत सरकार से संबधद्ध का सचिव नियुक्त किया गया है। नर्मदापुरम संभाग के अध्यक्ष और प्रदेश महासचिव दीपक बनोरिया की विशेष अनुशंसा पर उपभोक्ता अधिकारों और जन जागरूकता कार्यक्रम को बढ़ावा देने में डॉ मयंक तोमर के निरंतर प्रयासों को देखते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिशंकर शुक्ला ने उन्हें मध्यप्रदेश राज्य सचिव के पद पर नियुक्त किया। डॉ मयंक तोमर समाजसेवी प्रेमलता तोमर नारी शक्ति जागरण मंच की समन्वयक और सेवानिवृत्त कृषि अधिकारी जय सिंह तोमर के पुत्र हैं। उनकी नियुक्ति पर उन्हें वरिष्ठ पत्रकार बलराम शर्मा, प्रफुल्ल तिवारी, भावना बिष्ट डॉ सुनैना मिश्रा विजया कदम अधिवक्ता संघ सचिव मनोज जराठे वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव दुबे अरुण दीक्षित, केएन त्रिपाठी, केएस राजपूत, केके शर्मा, संजीव शर्मा शिवनारायण कटारे अभिषेक राजपूत पुष्पा जोशी मनोरमा मेवारी ममता दुबे दीपिका दुबे वंदना गुलाटी शोभा माहेश्वरी किरण शर्मा मो. अकरम खान ओपी तिवारी हरि सिंह चौहान दुर्गा भदोरिया अमरज्योति भदोरिया राजेंद्र पुरोहित सीता रघुवंशी सविता राजपूत प्रियंका तिवारी आर के सैनी एचके वर्मा नंदकिशोर रघुवंशी धर्मेंद्र राजोरिया रामनारायण पटेल, राजेश आर्य, गीता दुबे अखिलेश व्यास प्रिंस सराठे, निखिल राय, प्रदीप जैन, विलियम मसीह सुरिंदरजीत सिंह अशोक दिबोलिया, मयंक दुबे, निकिता सोलंकी जुगल किशोर आदि ने बधाई दी है।

नपा का अतिक्रमण दल उतरा सड़क पर

सड़क मार्ग अवरूद्ध करने वालों हटाकर निर्धारित स्थानों पर पहुंचाया

नर्मदापुरम (निप्र)। नगरपालिका का अतिक्रमण दल प्रतिदिन सड़क अवरूद्ध कर रहे लोगों को हटाकर अपने निर्धारित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। साथ ही हिदायत दी जा रही है कि जो भी सब्जी एवं फल व्यवसायी सड़क मार्ग अवरूद्ध करेगा तो उस पर कार्यवाही के साथ ही जुर्माना किया जाएगा। मुख्य नगरपालिका अधिकारी हेमेश्वरी पटले के निर्देशन में चल रही कार्रवाई के दौरान अतिक्रमण दल द्वारा बीएसएनएल चौराहे से लेकर नेहरू पार्क तक और पुलिस लाइन क्षेत्र के सामने अतिक्रमण हटाया गया। सीएमओ श्रीमती पटले ने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे अपना व्यवसाय निर्धारित स्थान पर ही करें। यह कार्रवाई प्रतिदिन जारी रहेगी। अतिक्रमण दल में ब्रजेश सारवान सहित नपा के कर्मचारी शामिल रहे।

नर्मदापुरम पुलिस के उपनिरीक्षक ने पेश की मानवता की मिसाल, झाड़ियों में फंसे दो घायलों की बचाई जान; एसपी ने प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले के थाना पिपरिया में पदस्थ कार्यवाहक उपनिरीक्षक मानिक सिंह बट्टी ने अपनी सूझबूझ और तत्परता से एक बड़ी दुर्घटना को टालते हुए दो व्यक्तियों की जान बचाई। उनके इस मानवीय और उत्कृष्ट कार्य की सराहना करते हुए पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम, साईं कृष्णा ने उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया है। 29 मई 2026 को उ.नि. मानिक सिंह बट्टी ग्राम खापरखेड़ा से एक मामले की तस्दीक कर वापस लौट रहे थे। ग्राम झील पिपरिया के आगे मेन रोड के किनारे उन्होंने देखा कि कंटीली झाड़ियों में एक मोटरसाइकिल और दो व्यक्ति बुरी तरह फंसे हुए हैं और तड़प रहे हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए उ.नि. मानिक सिंह बट्टी ने तुरंत अपना वाहन रोका। उन्होंने राहगीरों की मदद से दोनों घायल व्यक्तियों को बड़ी मशक्कत के बाद कंटीली झाड़ियों से सुरक्षित बाहर निकाला। घायलों की पहचान कल्लू ठाकुर (38 वर्ष) और साबिर अली (60 वर्ष), दोनों निवासी ग्राम खापरखेड़ा के रूप में हुई। उ.नि. बट्टी ने बिना समय गंवाए दोनों घायलों को इलाज हेतु तत्काल सिविल अस्पताल पिपरिया पहुंचाया, जिससे उन्हें समय पर चिकित्सा सहायता मिल सकी और उनकी जान बच गई। ड्यूटी के दौरान उत्कृष्ट कार्यप्रणाली, संवेदनशीलता और आम जनमानस के प्रति समर्पण भाव दिखाते हुए पुलिस विभाग की छवि को गौरवान्वित करने वाले इस कार्य के लिए उ.नि. मानिक सिंह बट्टी को पुलिस अधीक्षक नर्मदापुरम साई कृष्णा द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान करते हुए सम्मानित किया गया साथ ही उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

उर्वरकों का विक्रय ई विकास पोर्टल के माध्यम से ही किया जाए - सीईओ हिमांशु जैन

सीईओ ने उर्वरक वितरण प्लान खरीफ वर्ष 2026 की समीक्षा की

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में उर्वरकों का विक्रय ई विकास पोर्टल के माध्यम से ही किया जाएगा। पहले टोकन वाले किसानों को पहले खाद का वितरण किया जाएगा। खाद वितरण में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था निर्मित ना होने पाए। उक्त निर्देश जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन ने उर्वरक वितरण प्लान खरीफ वर्ष 2026 की समीक्षा के दौरान दिए। उन्होंने जिले में उपलब्ध उर्वरकों एवं फर्टिलाइजर की उपलब्धता की अद्यतन स्थिति की समीक्षा की और बताया कि नर्मदापुरम जिले में उर्वरक फर्टिलाइजर खाद डीएपी एनपीके वर्तमान में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि किसानों को आवश्यकता के अनुसार खाद की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। श्री जैन ने कहा कि सभी संस्थाओं में उर्वरक डीएपी एनपीके की उपलब्धता है लेकिन अभी किसानों को खाद की आवश्यकता ना होने के कारण उठाव नहीं हो रहा है। बताया गया कि जिले में उर्वरक वितरण संस्था कार्यरत हैं, जिनमें सहकारी समितियां, विपणन संघ के डबल लांक केंद्र, विपणन सहकारी समितियां,एमपी एग्रो के उर्वरक विक्रय केंद्र एवं सक्रिय विक्रेता शामिल है जिनके माध्यम से किसानों को उर्वरकों का वितरण किया जाता है। बताया गया कि जिले में रैक पॉइंट विपणन संघ के 70 प्रतिशत एवं निजी संस्थाओ के 30 प्रतिशत है। जहां पर उर्वरकों की रैंक लगती है। उर्वरक वितरण प्लान खरीफ वर्ष 2026 की समीक्षा के दौरान एडीएम अनिल जैन, अपर कलेक्टर बृजेंद्र रावत, सभी अनुविभाग के राजस्व अधिकारी गण, डिप्टी कलेक्टर डॉक्टर बबीता राठौड़ सहित संबंधित विभाग के विभाग प्रमुख उपस्थित रहे।

गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीजो का सीएमएचओ जिले एवं जिले के बाहर के चिकित्सालय में समुचित उपचार कराना सुनिश्चित करें - कलेक्टर सोमेश मिश्रा

जल जीवन मिशन एवं जल गंगा के कार्य में तेजी लाई जाए, लुप्त जल स्त्रोतों को पुर्नजिवित किया जाए

नर्मदापुरम (ए.)। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिले के गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीजो का उपचार जिले के चिकित्सालय में एवं जिले के बाहर के चिकित्सालय में कराना सुनिश्चित करें। उपचार के अभाव में कोई भी मरीज अनावश्यक परेशानी ना झेलें। उक्त निर्देश कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने सोमवार को आयोजित समय सीमा की बैठक में दिए। उन्होंने उप संचालक उद्यानिकी को निर्देश दिए की नर्मदापुरम की तर्ज पर पचमढ़ी में भी आम महोत्सव का आयोजन करें, इसके लिए सीईओ साडा एवं एसडीएम पिपरिया का आवश्यक सहयोग लेते हुए सफलतापूर्वक आम महोत्सव का आयोजन करना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं पीएचई के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह जल जीवन मिशन के कार्य में तेजी लाए और जल जीवन मिशन के अंतर्गत पूर्ण हो चुकी नल जल योजना को समारोह पूर्वक समारोह आयोजित कर ग्राम पंचायत को हैंडोवर करें, इस दौरान उन्होंने सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए की वो जल गंगा संवर्धन अभियान में भी तेज गति से कार्य करें। लुप्त हो चुकी या बंद पड़े जल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करें और जल संरचनाओं को विकसित करें।जनसुनवाई में प्राप्त प्रकरणों के निराकरण में धीमी गति से कार्य होने पर कलेक्टर ने सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए, जनसुनवाई प्रभारी को निर्देश दिए कि वह इस सप्ताह प्राप्त प्रकरणों का निराकरण करना सुनिश्चित करें।

मूंग फसल खराब होने की शिकायत पर कृषि विभाग की कार्रवाई

पौध संरक्षण औषधि के नमूने जांच हेतु लिए गए

नर्मदापुरम (निप्र)। ग्राम हिरनखेड़ा तहसील सिवनी मालवा के एक कृषक द्वारा शिकायत की गई थी कि उनके द्वारा श्री कृष्णा एग्रो एजेंसी, मालाखेड़ी नर्मदापुरम से मूंग फसल के लिए पौध संरक्षण औषधि क्रय कर खेत में प्रयोग की गई थी। औषधि के उपयोग के उपरांत मूंग की फसल खराब हो गई। शिकायत प्राप्त होने पर उपसंचालक कृषि द्वारा कृषि वैज्ञानिक सहित जांच दल का गठन किया गया। गठित जांच दल ने कृषक के खेत का निरीक्षण किया, जिसमें मूंग की फसल खराब पाई गई। उपसंचालक कृषि के निर्देशानुसार आज दिनांक 01 जून 2026 को अनुविभागीय अधिकारी कृषि राजीव यादव एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्रीमती जयश्री देशमुख द्वारा विक्रेता की दुकान श्री कृष्णा एग्रो एजेंसी, मालाखेड़ी नर्मदापुरम का सूक्ष्मता से निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पौध संरक्षण औषधियों की गुणवत्ता की प्रयोगशाला में जांच हेतु कृषक द्वारा प्रस्तुत बिल में उल्लेखित औषधियों के नमूने विक्रेता की दुकान से लिए गए हैं। संबंधित नमूनों को परीक्षण के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरांत नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर कार्यालय में हुआ वंदे मातरम का गायन

नर्मदापुरम (निप्र)। शासन के निर्देश अनुसार प्रत्येक माह की प्रथम तिथि को सभी शासकीय कार्यालयो में वंदे मातरम का गायन किया जाता है। इसी क्रम में 1 जून को कलेक्टर कार्यालय के सभा कक्ष में वंदे मातरम का गायन हुआ। इस अवसर पर कलेक्टर सोमेश मिश्रा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु जैन, अपर कलेक्टर अनिल जैन एवं बृजेंद्र रावत, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती बबीता राठौर एवं समस्त अनुविभागीय राजस्व अधिकारी गणो तथा सभी विभाग के विभाग प्रमुखो ने उपस्थित रहकर वंदे मातरम का गायन किया। नर्मदापुरम संभाग आयुक्त कार्यालय परिसर के सभा कक्ष में भी वंदे मातरम का गायन हुआ। इस अवसर पर संयुक्त आयुक्त विकास नवल मीणा, उपायुक्त विकास डी एन पटेल, संभागीय सलाहकार आरसीएमएस भूपेंद्र गुर्जर सहित आयुक्त कार्यालय परिसर में स्थित सभी विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों तथा आयुक्त कार्यालय के कर्मचारी गणों ने वंदे मातरम का गायन किया।

अवैध शराब के विरुद्ध आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा द्वारा अवैध शराब के निर्माण, विक्रय, परिवहन एवं संग्रहण के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के पालन में एवं जिला आबकारी अधिकारी अरविंद सागर के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा वृत नर्मदापुरम शहर के विभिन्न संदिग्ध स्थलों पर आकस्मिक दबिश दी गई। आबकारी विभाग की टीम द्वारा बंगाली कॉलोनी, ग्वाल टोली एवं ईदगाह मोहल्ला क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1) के तहत 08 प्रकरण कायम किए गए। कार्रवाई के दौरान 90 पाव प्लेन मदिरा, 38 लीटर हाथभट्टी मदिरा तथा लगभग 670 किलोग्राम महुआ लाहन जप्त किया गया।

रात्रि चौपाल में मिली शौचालय संबंधी शिकायतों पर हुई त्वरित कार्रवाई

ग्राम पंचायत कामतीरंगपुर में शिविर आयोजित कर किया गया सर्वे

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में कलेक्टर सोमेश मिश्रा के नेतृत्व में प्रशासन द्वारा शासन की जनहितकारी योजनाओं के धरातल पर सफल क्रियान्वयन एवं नागरिक सेवा हेतु निरंतर प्रयास किये जा रहे है। इसी क्रम में विभिन्न नवाचारों को भी आरंभ किया गया है। इसके अंतर्गत जिला प्रशासन द्वारा चलाये जा रहे प्रशान आपके द्वार अभियान के तहत कलेक्टर श्री मिश्रा द्वारा जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ जिले के विभन स्थानों पर रात्रि चौपाल आयोजित कर नागरिकों से समक्ष जनसंवाद कर उनकी समस्याअें का निराकरण किया जा रहा है। इसी कड़ी में आयोजित प्रशासन आपके द्वार अभियान के अंतर्गत गत दिवस कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशन में सोहागपुर जनपद की ग्राम पंचायत कामतीरंगपुर में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल के दौरान कुछ हितग्राहियों द्वारा शौचालय निर्माण की मांग रखी गई थी। इस संबंध में कलेक्टर सोमेश मिश्रा द्वारा ग्राम पंचायत को शिविर आयोजित कर समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए गए थे।

ग्रामीण पर्यटन आत्मनिर्भर गांवों की दिशा में महत्वपूर्ण पहल : कलेक्टर सोमेश मिश्रा

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने ग्रामीण पर्यटन को आत्मनिर्भर गांवों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताते हुए नागरिकों से विलेज टूरिज्म को बढ़ावा देने एवं स्थानीय पर्यटन गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण पर्यटन के माध्यम से न केवल गांवों की सांस्कृतिक पहचान को नई पहचान मिल रही है, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर भी सृजित हो रहे हैं। कलेक्टर श्री मिश्रा ने कहा कि ग्रामीण पर्यटन एवं इको टूरिज्म मध्यप्रदेश की समृद्ध लोक संस्कृति, पारंपरिक जीवन शैली एवं प्राकृतिक सौंदर्य को नजदीक से जानने और अनुभव करने का एक सुनहरा अवसर है। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि अपने परिवार के साथ होम-स्टे में अवश्य आएं तथा ग्रामीण परिवेश, भारतीय लोक संस्कृति और प्राकृतिक वातावरण को करीब से जानें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में विकसित हो रहे होम-स्टे पर्यटकों को स्थानीय संस्कृति, पारंपरिक खान-पान एवं प्राकृतिक जीवन शैली का विशेष अनुभव प्रदान कर रहे हैं। यहां आने वाले पर्यटक मिलेट्स से बने पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लेते हुए गांव की संस्कृति और आत्मीयता को महसूस कर सकते हैं।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णाकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित। स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com